दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 06:02 ए एम
सूर्यास्तः 06:44 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 08:37 ए एम तक
नक्षत्रः अनुराधा - 01:39 पी एम तक
योगः व्यतीपात - 08:12 पी एम तक
करणः बालव - 08:37 ए एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 08:00 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 103 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 12 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

रांची में बीजेपी का विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज, कई कार्यकर्ता घायल

रांची/एजेंसी।

झारखंड की राजधानी रांची में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से सचिवालय मार्च और विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया. प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास सहित पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया. उग्र बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को कुछ समय के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा. बीजेपी की तरफ से दावा किया गया है कि पुलिस की कार्रवाई में दर्जनों कार्यकर्ताओं को चोट लगी है.

पुलिस लाठीचार्ज को लेकर बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट किया है कि सोरेन सरकार के लाठी डंडों से न बीजेपी के कार्यकर्ता डरेंगे न ही जनता के लिए हमारी आवाज दबेगी. डंडों के जोर से अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिशें नाकाम नहीं होगी. इस भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी.

गौरतलब है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने सोमवार को कहा था कि पूरे राज्य से पार्टी के हजारों कार्यकर्ता रांची के प्रभात तारा मैदान में एकत्र होंगे और पूर्वाह्न 11 बजे राज्य सचिवालय की इमारत की ओर मार्च करेंगे. वहीं, सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को 'राजनीतिक हथकंडा' करार दिया था.एक अधिकारी ने बताया था कि रांची प्रशासन ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने और वाहनों की आवाजाही को सुचारु रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की है और रणनीतिक रूप से अहम स्थानों पर अवरोधक लगाए गए हैं."

प्रकाश ने दावा किया था कि झामुमो, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की गठबंधन सरकार ने चुनाव घोषणापत्र में हर साल पांच लाख नौकरी देने का वादा किया था लेकिन अबतक महज 537 नौकरियां दी गई हैं. उन्होंने कहा कि 3.27 लाख सरकारी पद खाली हैं लेकिन हेमंत सोरेन सरकार की मंशा इन रिक्तियों को भर राज्य के युवाओं को रोजगार देने का नहीं है जो रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं.वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया था कि नियुक्तियों में विपक्ष द्वारा बाधा उत्पन्न करने से देरी हुई. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया शुरू की है.

सचिन पायलट ने खत्म किया 'अनशन', गहलोत सरकार पर साधा निशाना

जयपुर/एजेंसी।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा कांग्रेस पार्टी की तरफ से दी गई चेतावनी को दरकिनार करते हुए मंगलवार को जयपुर में पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की मांग को लेक र शुरू किया गया एक दिवसीय 'अनशन' खत्म हो गया. भले ही पायलट ने अपना 'अनशन' खत्म कर दिया हो, लेकिन उन्होंने इस बहाने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ फरि मोर्चा खोल दिया है. दिसंबर 2018 में राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही इन दोनों नेताओं में खींचतान जारी है. कांग्रेस के सत्ता में आने के समय पायलट राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष थे. इस बीच, खबर है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मामले को संभालने के लिए सचिन पायलट को फोन किया था. फिर भी, उन्होंने अपने 'अनशन' का कार्यक्रम स्थगित नहीं किया.

पायलट बीजेपी की सीएम वसुंधरा राजे के शासन में हुए घोटालों की जांच की मांग को लेकर सीएम गहलोत सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे थे. वे सुबह अपने समर्थकों के साथ शहीद स्मारक पहुंचे. हालांकि, इन अनशन से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने दूरी बनाई. गांधी परिवार को कई सदस्य अनशन में नहीं दिखा.

सचिन पायल ने अपने धरनास्थल पर लगे पोस्टरों में न राहुल-सोनिया का फोटो लगाया गया, ना ही कांग्रेस का चिह्न. पोस्टर पर सिर्फ महात्मा गांधी की फोटो लगाई गई. उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जयपुर दौरा रद्द कर दिया. रंधावा ने पायलट के अनशन को पार्टी विरोधी बताया था.

इससे पहले 9 अप्रैल को सचिन पायलट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वसुंधरा राजे सरकार पर करीब 45 हजार करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे.

संक्षिप्त समाचार

'मुस्लिम भाई मानें या ना मानें, हम तो मुसलमानों को अपने पूर्वजों की औलाद मानते हैं ' : बाबा रामदेव

भिंड/एजेंसी। भिंड में बाबा रामदेव राष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू की श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने के लिए आए थे। बाबा रामदेव ने कहा कि देश में रहने वाले ईसाई और मुस्लिम समुदाय के लोग हमारे अपने ही हैं। अगर कोई गलत करने की कोशिश करेगा तो हम उन्हें समझाएंगे। प्रशासन भी अपनी ओर से अपना काम करेगा। पर हम किसी भी हाल में नफरत नहीं करेंगे। रामदेव ने आगे कहा कि मुस्लिम भाई मानें या ना मानें, हम तो मुसलमानों को अपने पूर्वजों की औलाद मानते हैं। वक्त के साथ उनकी पूजा बदल सकती है, लेकिन पूर्वज कभी भी अलग नहीं हो सकते। रामदेव ने कहा कि देश में 99% मुस्लिम औरंगजेब के बाद बने। 350 साल पहले इनके (मुस्लिमों) पुरखे और हमारे (हिंदू) पुरखे एक ही थे। लोगों को संबोधित करते हुए रामदेव ने कहा कि मैं किसी भी दल का समर्थक नहीं, केवल सनातन का समर्थक हूं।

जो भी व्यक्ति सनातन और हिंदू राष्ट्र की बात कर रहा है, उसका साथ दिया जाना चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा कि किसी की भी सरकार बने, कोई विधायक बने या सांसद, हम तो बाबा हैं।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,846.51+13.54 (0.023%)
निफ्टी
17,624.05+24.90 (0.14%)

मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

देशभर में 300 लोकसभा सीटें जीतेगी भाजपा : अमित शाह

डिब्रूगढ़/एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के डिब्रूगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर कभी कांग्रेस का गढ़ था, लेकिन राहुल गांधी की यात्रा के बावजूद कांग्रेस हालिया चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई. असम के 70 प्रतिशत हिस्से से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम हटाया जा चुका है, अन्य राज्यों के साथ सीमा विवाद को सुलझाया जा रहा है. राहुल गांधी ने विदेश में भारत का अपमान किया, अगर वह ऐसा ही करते रहे, तो न केवल पूर्वोत्तर से, बल्कि पूरे देश से कांग्रेस का सफाया हो जाएगा. असम के डिब्रूगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा असम की 14 में से 12 सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश में भाजपा 300 से ज्यादा सीटों पर कब्जा जमाएगी और मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा डिब्रूगढ़ कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय

गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा संगठन के आधार पर चलने वाली पार्टी है और कार्यालय भाजपा की सभी गतिविधियों का केंद्र होता है। अभी नॉर्थ ईस्ट में 3 राज्यों के चुनाव हुए और तीनों राज्यों में भाजपा सरकार का हिस्सा है। नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्यों में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है और इसी के कारण नॉर्थ ईस्ट का विकास हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी और कांग्रेस को भी अपने निशाने पर लिया। शाह ने कहा, राहुल बाबा अभी भी समझ जाओ। अभी तो पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से सुपड़ा साफ हुआ है। अगर उसी रास्ते पर चलते रहोगे, तो पूरे देश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

सलमान खान को मिली जान से मारने की धमकी, कहा '30 अप्रैल को मार दूंगा...'

मुंबई/एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकी मलि रही है. कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग की ओर से मिलीं धमकियों के बीच सलमान खान को एक बार फरि से सोमवार की रात जान से मारने की धमकी मलि है. बताया जाता है कि उनको राजस्थान के जोधपुर से कसिी 'रॉकी भाई' का फोन आया था. अब इस मामले में मुंबई पुलसि ने एक नाबालगि को हरिासत में लयिा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉल राजस्थान के शाहपुर के एक 16 साल के लड़के ने की थी. जानकारी के मुताबकि, पुलिस ने नाबालगि को शहापुर से हिरासत में लिया है और आगे की जांच के लिए उसे मुंबई ला रही है. लेकनि कॉल क्यों किया गया, इसका पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जाएगी.

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

जेएसएससी में दुमका के आइडियल कंपटीशन सेंटर के 6 छात्रों को मिली सफलता

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग(जेएस एससी) द्वारा आयोजित, परीक्षा 2017 में आइडियल कंपटीशन सेंटर खुटा बांध दुमका के 6 छात्र- छात्राओं ने सफलता हासिल की पूजा मिश्रा (पंचायत सचिव) लिपि कुमारी (पंचायत सचिव) 3.प्रिया कुमारी गुप्ता (पंचायत सचिव) सलोनी कुमारी (पंचायत सचिव) आलोक कुमार (एल डीसी) आसित मंडल (एल डीसी)। संस्थान के निदेशक शिव नारायण दर्वे सर ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दिया है और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

अनिल राउत बने राजद के पंचायत अध्यक्ष, चंदन राउत बने सचिव

दुमका/जामा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रीय जनता दल की बैठक तपसी पंचायत के अगोया गांव नाग मंदिर परिसर में रामसुंदर पंडित की अध्यक्षता में हुई। संगठन को मजबूत बनाने के लिए आम कार्यकर्ताओं की

उपस्थिति में तपसी पंचायत अध्यक्ष और सचिव का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें अनिल राउत पंचायत अध्यक्ष और चंदन राउत सचिव चुने गए।बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने 27 परसेंट आरक्षण को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन किया है। जनता का कहना है कि अगर ओबीसी का आरक्षण नहीं तो वोट नहीं। मौके पर उपस्थित राजद जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है गरीबों के हक की लड़ाई हमेशा लड़ते आई है।मौके पर ललित यादव, अनिल पंडित, रंजीत कुमार, किरण कुमार, विजय माल, नाथू राउत, मोहित राउत, लक्ष्मण राउत, रंजन राउत, मोहन राउत, शत्रुघ्न राउत, कामदेव लायक, रीना देवी, बुलबुल देवी, ललिता कुमारी, फुलो देवी, रानी देवी, रेखा देवी, मीना देवी, पार्वती देवी, चंपा देवी, सजनी देवी, उर्मिला देवी, लीला देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

अवतरण दिवस पर तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। महान समाज सुधारक, समाज प्रबोधक,विचारक, समाजसेवी,लेखक, दार्शनिक, क्रांतिकारी कार्यकर्ता तथा सत्य शोधक समाज नामक संस्था के संस्थापक महात्मा ज्योतिराव

गोविंदराव फुले जिन्हें हम सभी ज्योतिबाफुले के रूप में भी जानते हैं, इनके अवतरण दिवस पर तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम 108 दीप प्रज्वलन के समाजसेवी संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में सरदार पटेल चौक दुमका में सिविल सोसायटी,दुमका व पटेल सेवा संघ,दुमका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।श्रद्धासुमन अर्पण करने वालों में सिविल सोसायटी,दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केशरी, उमाशंकर चौबे,शिशिर घोष,राजेश कुमार राउत,रामनाथ साह,मनीष कुमार यादव,आदर्श कुमार,रवि कुमार गोलू,मानस झा के साथ बास्केटबॉल एक खिलाड़ी जिनमें आशा,नैना, नेहा,अमर,आलोक आदि शामिल हैं।

सेवा अवधि के विस्तार की मांग को लेकर तेजस्विनी कर्मियों ने विधायक नलीन सोरेन को सौंपा ज्ञापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

काठीकुंड/दुमका। तेजस्विनी परियोजना की सेवा अवधि का विस्तार करने की मांग को लेकर जिले भर के तेजस्विनी कर्मियों ने सोमवार को झामुमो विधायक नलिन सोरेन से उनके काठीकुंड स्थित आवास में मिलकर संयुक्त रूप से एक ज्ञापन सौंपा। मौके पर उषा देवी,गुलाबशाह खातून, शबनम बीवी,प्रिया शाह,प्रेमलता मरांडी,ज्योति कुमार सोरेन, प्रसनजीत लाहा,रंजीत कुमार गोन, कर्नल मुर्मू,नरेश सोरेन के साथ सैकड़ों तेजस्विनी कर्मी उपस्थित थे। तेजस्विनी कर्मियों ने बताया कि मौखिक रूप से 25 अगस्त तक इस परियोजना की समाप्ति

की जानकारी दी गयी है।बताया गया कि परियोजना के समाप्त होने से झारखंड के 17 जिले के दस हजार से अधिक लोग इस नियुक्ति वर्ष में बेरोजगार हो जायेंगे।,वर्ष 2019 से इस परियोजना के तहत 14-24 वर्ष के किशोरी-युवतियों के सशक्तिकरण को लेकर हम सभी ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है। विधायक को बताया कि परियोजना के तहत 2876 पंचायत के 20,838 गांव के 10,89,063 किशोरी-युवती को जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें मानसिक रूप से सशक्त किया गया है। तेजस्विनी क्लब के सहयोग से सुरक्षा प्राप्त कर युवतियों द्वारा बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोका गया है। 9600 से ज्यादा युवतियों को व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण दे कर आय अर्जन के योग्य बनाया गया है। जबकि अब तक 10,400 से ज्यादा किशोरी को शिक्षा सेवा के तहत सेतु शिक्षा प्रदान करने का काम किया गया है। कर्मियों ने बताया कि पैड बैंक की स्थापना कर कम दाम में सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का काम किया गया है। बताया कि विश्व बैंक के तरफ से भी परियोजना की प्रशंसा करते हुए तेजस्विनी फेज 2 के साथ ही अन्य बाकी सात जिलों में इस परियोजना को आरंभ करने की इच्छा जताई गयी है। सभी ने विधायक से मांग करते हुए कहा कि 10,039 लोगो का परिवार बेरोजगारी और भुखमरी से न गुजरे,इसके लिये परियोजना की सेवा अवधि का विस्तार कराने की कृपा की जाय। विधायक ने सभी तेजस्विनी कर्मियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस संबंध में कल्याण मंत्रालय से बात कर सभी विषयों को जाना जायेगा। गांव के किशोरी युवतियों को जागरूक कर विभिन्न क्रियाकलाप करने वाले इन कर्मियों की मांगों को लेकर गंभीरतापुर्वक विचार किया जायेगा।

शादी के नियत से नाबालिग को भगाने के मामले में गुजरात के गुलाब नगर से आरोपित गिरफ्तार,भेजा गया जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र अंतर्गत महारो के रहने वाले पीड़िता के परिजन के आवेदन पर दुमका नगर थाना क्षेत्र के बक्शी बांध रोड के रहने वाले आरोपी को जामा थाना प्रभारी जितेंद्र साहू एवं मामले के अनुसंधानकर्ता रविशंकर सिंह के सूझबूझ से आठ अप्रैल 2023 को गुजरात के राजकोट जिला अंतर्गत आजी डैम थाना क्षेत्र के गुलाब नगर से गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर जामा थाना लाया गया। जिसे आज मंगलवार को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुमका नगर थाना क्षेत्र के बक्शी बांध रोड के रहने वाले अमन कुमार राउत के रूप में हुई है। मामले को लेकर जामा थाना प्रभारी जितेंद्र

साहू ने आज मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि जामा थाना क्षेत्र के महारो रहने वाले पीड़िता के परिजन ने थाना में 13 मार्च 2023 को थाना कांड संख्या 24/ 23 दर्ज कराया था जिसमें आरोपी के विरुद्ध पुत्री को बहला-फुसलाकर शादी के नियत भगा ले जाने का आरोप लगाया था। जिसके आधार पर काण्ड अंकित करते हुए जांच पड़ताल के क्रम में गुजरात के राजकोट जिला अंतर्गत आजी डैम थाना क्षेत्र के गुलाब नगर से गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद राजकोट जिला न्यायालय में उपस्थापित करते हुए ट्रांजिट रिमांड पर जामा थाना लाया गया। जिसे आज मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।आरोपी के पास से पुलिस ने एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं एक कीपैड मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले में थाना प्रभारी जितेंद्र साहू एसआई सह अनुसंधानकर्ता रवि शंकर सिंह तकनीकी शाखा से अभिषेक मुर्मू एवं जामा थाना के पुलिस बल शामिल थे।

बीडीओ के अध्यक्षता में आंगनबाड़ी कर्मियों एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव की अध्यक्षता में आंगनवाड़ी कर्मियों एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम टोप्पो,बीईईओ सुधा कुमारी मुख्य रूप में मौजूद रहे।

अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने आंगनवाड़ी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस गांव में आंगनवाड़ी केंद्र नहीं है वहां सरकारी जमीन को चिन्हित करते हुए आंगनवाड़ी केंद्र निर्माण कराने के लिए प्रस्ताव भेजे।जिस गांव में सरकारी जमीन गांव से बाहर कहीं दूर में है तो वहाँ स्थानीय ग्रामीणों एवं आंगनवाडी सेविकाओं की सहयोग से उपलब्ध

जमीन पर आंगनबाड़ी भवन निर्माण कराने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि यदि किसी गांव में सरकारी जमीन नहीं है तो ऐसा स्थिति में सरकारी स्कूल भवन में आंगनवाड़ी केंद्र संचालित करेंकहा कि हर हाल में आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन बेहतर ढंग से किया जाना है।बैठक के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने मनरेगा से बनने वाले आंगनवाड़ी केंद्र को जल्द पूरा करने का निर्देश संबंधित कर्मियों को दिया।साथ ही मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने का दिशा निर्देश दिया।

सड़क निर्माण कंपनी ने बिजली पोल को क्षतिग्रस्त कर छह गांवों में किया अंधेरा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। काठीकुंड के बड़ा चापुडिया पंचायत अंतर्गत नारगंज आमगाछी से पुसालडीह कटहलडीह महुआगढी गांव तक सड़क निर्माण कार्य के दौरान बिजली पोल को क्षतिग्रस्त करने से छह गांवों के ग्रामीण आठ माह से अंधेरे में रहने को मजबुर है। सभीसभी आदिम जनजाति पहाड़िया बहुल गांव है जिसमें जियांतपानी, मुरगूजा,कोरचो,पोखरिया, महुआगढी,उपरपुजाडीह,डुमरी पहाड़

शामिल हैं।अभी तक बिजली विभाग और सड़क निर्माण कंपनी ने उक्त गांव में बिजली आपूर्ति के लिए पहल तक नहीं की है,इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। जबकि जिला प्रशासन से लेकर नीति आयोग की टीम महुआगढी,डूमर पहाड़ गांव का दौरा कर आदिम जनजाति पहाड़िया की मुलभूत सुविधाएं और विकास योजनाओं की समीक्षा पहाड़िया समुदाय के लोगों से बैठकर करते आ रही है। इसके बावजूद भी सड़क निर्माण कंपनी और बिजली विभाग द्वारा उक्त गांव में बिजली आपूर्ति के लिए बिजली पोल नहीं लगाया गया है। इस मामले में बिजली विभाग के कनीय अभियंता अमित कुमार ने कहा कि तीन दिन में काम शुरू करा दिया जाएगा।

तोकीपुर गांव के धन मुनी मुर्मू के घर में लगी आग से घर का सारा समान जल कर राख

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सुखजोड़ा पंचायत के तोकीपुर गांव के धन मुनी मुर्मू के घर में लगी आग से घर का सारा समान जल कर राख हो गया हैं।सूचना पाकर अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी ने गांव पंहुच कर नुकसान का जायजा लिया हैं । सीओ के मौखिक आदेश पर गोदाम प्रबंधक

बिश्व नाथ सिंह ने पीडीएस डीलर इकबाल खान के माध्यम से तत्काल राहत हेतु बीस किलो चावल,नमक दो पैकेट एवं एक साड़ी उपलब्ध कराया हैं।

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के भवन नव निर्माण एवं समुचित पढ़ाई हेतु किया गया भिक्षाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मंगलवार को छात्र चेतना संगठन प्रखंड इकाई सरैयाहाट के द्वारा प्रखंड कार्यसमिति सदस्य मार्टिन मरांडी के नेतृत्व में प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के भवन नव निर्माण एवं समुचित पढ़ाई हेतु भिक्षाटन सत्याग्रह चलाया गया।भिक्षाटन सत्याग्रह सरैयाहाट चौक परिसर के सभी दुकानों में चलाया। भिक्षाटन सत्याग्रह से 1715 रुपया एकत्रित हुआ है,जिसे उपायुक्त को भेजा जाएगा।भिक्षाटन सत्याग्रह कार्यक्रम की जानकारी देते हुए छात्र चेतना संगठन के पूर्व प्रखंड प्रमुख सह जिला कार्यसमिति सदस्य जयकांत यादव ने बताया कि छात्राओ के पठन-पाठन के लिए प्रखंड में मात्र एक कन्या उच्च विद्यालय है जहां करीबन 300

बच्चों का नामांकन है। पूर्व में भी संगठन के द्वारा 03 अगस्त 2022 को झारखंड सरकार को पत्र के माध्यम से सूचित किया गया था एवं दिनांक 06 दिसंबर 22 को भी विद्यालय के समीप विरोध जताया गया था ,लेकिन अभी तक सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। जयकांत यादव ने बताया कि आज उसी कड़ी में विद्यालय के भवन नव निर्माण एवं समुचित पठन-पाठन के लिए भीक्षाठन किया गया है। भीक्षाठन सहयोग राशि प्रखंड विकास पदाधिकारी सरैयाहाट के द्वारा उपायुक्त दुमका को भेजना था लेकिन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सहयोग राशि लेने से इंकार कर दिया।

प्रखंड उपाध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने बताया कि जो सहयोग राशि एकत्रित हुई है उसे स्वयं उपायुक्त से मिलकर भवन के नव निर्माण हेतु सौंपा जाएगा ।उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय फिलहाल बाबूडीह उर्दू विद्यालय में शिफ्ट किया गया है लेकिन वहां की भी स्थिति दयनीय है बच्चों को वहां बैठने की भी व्यवस्था नहीं है,ना ही शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था है।

प्रखंड कार्यसमिति सदस्य विकास कुमार ने कहा कि यह प्रखंड वासियों के लिए दुर्भाग्य है कि शिक्षा व्यवस्था के लिए भी हम युवाओं को भीक्षा मांगनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार कहती है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ,लेकिन आज यह एक नारा बनकर रह गया है।

समाजसेवी रमेश यादव ने कहा कि सरकार हमारी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करें नहीं तो युवाओं को अब सड़क पर उतरने पर मजबूर होना पड़ेगा,प्रखंड के युवा अब जाग चुके है।भीक्षाठन सत्याग्रह में मुख्य रूप से जनजाति जिला प्रमुख रसीकलाल मरांडी, आशीष कुमार,बेंजामिन सोरेन,राजु सोरेन, छोटु सोरेन,बिमल सोरेन,विश्वजीत कुमार,उत्तम कुमार, दानियल सोरेन,अक्षय यादव, छोटु यादव,गुलशन कुमार आदि सहित दर्जनों सीसीएस योद्धा उपस्थित थे।

ग्राम प्रधान मांझी संगठन ने किया उड़ीसा के पूर्व सांसद सालखन मुर्मू का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ग्राम प्रधान मांझी संगठन के नेतृत्व में मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय से विशाल रैली निकाली गई।रैली में शामिल लोग सालखन मुरमू वापस जाओ एसपीटी एक्ट में छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे आदि नारे लगा रहे थे।रैली द्वारा रामगढ़ बाजार का भ्रमण करने के बाद चौक पर उड़ीसा के पूर्व सांसद सह सेगेंल अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष सालखन मुरमू का पुतला दहन किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान मांझी संगठन के अध्यक्ष इंग्लिश लाल मरांडी ने बताया कि सालखन मुरमू संथाल परगना के ग्राम प्रधान पारंपरिक व्यवस्था एवं वंशानुगत बहाली निरस्त करने की मांग कर रहे है। साथ ही उनके द्वारा सदियों से चली आ रही पारंपरिक प्रधानी व्यवस्था पर हंड़िया दारु पीकर व्यवस्था चलाने का आरोप लगाया जा रहा है, जिसका खंडन करते हुए कहा कि सालखन मुरमू आदिवासी समाज को विध्वंस करने की राजनीति कर रहे है। जिसे आदिवासी समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। सलखान मुरमू के संथाल परगना में प्रवेश वर्जित करने का निर्णय सभी ग्राम प्रधान एवं लेखा होड़ द्वारा लिया गया है। अगर संथाल परगना में कही भी सालखन मुरमू सभा करते हुए पाए गए तो आक्रोशित ग्राम प्रधान किसी भी तरह की अप्रिय घटना कर सकते हैं।इसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। पुतला दहन कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रूसीराम बास्की,गाजो कुंवर,भीम सोरेन,मनोहर हेंब्रम,लक्ष्मीकांत मंडल,मानवेल बास्की सहित सैकड़ो की संख्या मे लेखा होड,पराणिक जोग मांझी नायकी कुडाम नायकी गुडैत मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड राज्य खुला विश्व विद्यालय के स्टडी सेंटर के वेरिफिकेशन का कार्यक्रम किया गया

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। 11 अप्रैल दिन मंगलवार काली भसान कृष्णा कॉलोनी, रॉयल रेसिडेंसी होटल में झारखंड राज्य खुला विश्व विद्यालय के स्टडी सेंटर के वेरिफिकेशन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें झारखंड राज्य खुला विश्व विद्यालय के चीफ कॉडिंनेटर डॉ उमेश कुमार तथा कोडिनेटर डॉ परमहंस प्रताप सिंह विजिटिंग ऑफिसर के तौर पर आये। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा मिशन संस्था के सचिव सुमति कच्छप, कोडिनेटर धर्मेंद्र कुमार सिंह तथा कार्यकर्ता मंजू प्रजापति आज के वेरिफिकेशन कार्यक्रम में उपस्थित हुए। वेरिफिकेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ उमेश कुमार ने सभी तथ्यों की जांच करते हुए पाकुड़ में झारखंड राज्य खुला विश्व विद्यालय के स्टडी सेंटर खोलने के लिए अपनी सहमति दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कई जिलों में स्टडी सेंटर खोले जा चुके है। आज पाकुड़ में स्टडी सेंटर खोलने के लिए वेरिफिकेशन का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमे हमने सभी तथ्यों को सही और प्रामाणिक पाया। जिसकी रिपोर्टिंग कर दी जाएगी। इसके उपरांत पाकुड़ में झारखंड राज्य खुला विश्व विद्यालय का स्टडी सेंटर खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 27 कोर्स पढ़ाये जा रहे है। आने वाले समयों में कई नए कोर्स भी जोड़े जाएंगे। जिसमे Bed, Teacher training, PHD,ANM, GNM तथा व्यसायिक कोर्सों को भी जोड़ा जाएगा। आशा करते है कि ये कोर्स तीन से चार महीने में जोड़ दिए जाएंगे। कार्यक्रम में स्टडी सेंटर के कोडिनेटर धर्मेंद्र सिंह ने डॉ उमेश कुमार तथा डॉ परामहंस प्रताप सिंह को अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया। वही स्टडी सेंटर के सबकोडिनेटर गुंजन साहा ने संस्था राष्ट्रीय सुरक्षा मिशन के धर्मेंद्र कुमार सिंह को अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया। मौके पर विभिन्न कॉलेजों के छात्र एवं पत्रकार शामिल हुए।

एक पक्का मकान में लगी आग, सारा पुआल जलकर राख

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। थाना क्षेत्र के बिचामहल पोस्ट ऑफिस टोला के एक पक्का मकान में मंगलवार को आग लग गया। जिससे घर में रखे सारा पुआल जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बिचामहल गांव निवासी सुरेश साहा के घर में अचानक आग लग जाने से घर में रखें मवेशियों के भोजन के लिए पुआल जलकर राख हो गया। वही बताया कि घर में आग किस तरह से लगा इसका पता नहीं चल पाया है। पक्के के मकान में मवेशियों के भोजन के लिए पुआल रखे हुए थे। उसी घर में अचानक आग लग जाने से हजारों रुपए पुआल जलकर राख हो गया। आग लगी की खबर गांव में आग की तरह फैल गया। साथ ही ग्रामीणों की मदद से आग में काबू पा लिया गया। कोई जाल माल की क्षति नहीं हुई है।

सरकारी खाद्यान्न गबन करने के आरोपी डीलर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। थाना क्षेत्र के चुनपाड़ा गांव के राशन कार्डधारियों का सरकारी खाद्यान्न गबन करने के आरोप में काफी दिनों से फरार चल रहे डीलर फूलवंती मुर्मू को पाकुड़िया पुलिस ने उसके घर चुनपाडा से गिरफ्तार कर पाकुड़ कारा भेज दिया।

विदित हो कि स्थानीय कार्डधारीयो के शिकायत पर तत्कालीन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अशोक कुमार ने डीलर फूलवंती मुर्मू के विरुद्ध सरकारी अनाज गबन करने को लेकर थाना कांड संख्या 84/22 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उस समय संबंधित डीलर फूलवंती के विरुद्ध राशन कार्डधारियों ने पाकुड़िया से महेशपुर जानेवाली पथ को डुमरशोल गांव के पास सड़क जाम कर प्रशासन से कार्यवाही की मांग की थी। हाल के दिनों में पाकुड़िया प्रखंड में डीलर की गिरफ्तारी की ये दूसरी कार्यवाई है। राशन गबन के आरोप में लगातार हो रही कड़ी कार्यवाई से जन वितरण दुकानदारों में हड़कंप है।

सिदो कान्हु जयंती पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पाकुड़ के कार्यकर्ताओं द्वारा सिदो कान्हो जयंती दिवस के अवसर पर सिदो कान्हो पार्क स्थित हुल क्रांति के महानायक सिदो कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संगोष्ठी कर उनकी 199 वीं जयंती को पूरी सादगी से मनाया गया। नगर मंत्री प्रदीप मिश्रा ने बताया कि अंग्रेजों एवं महाजनों के अत्याचार से आजाद करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रत्येक वर्ष 11 अप्रैल को संथाल परगना की माटी के सपूत की जयंती मनाई जाती है एवं उनके त्याग एवं बलिदान को याद किया जाता है। जिला संयोजक बम भोला उपाध्याय ने बताया कि 1855 में सिदो कान्हो ने संथाल से आजादी का बिगुल फूंका था। तोपों व गोलियों के सामने तीर धनुष से ही सिदो कान्हो , चांद-भैरव एवं फूलों-झानो ने अंग्रेजों को पानी पिला दिया था।

इतिहास के पन्नों को पलटा तो आजादी के लिए पहला संघर्ष अथवा विद्रोह का जिक्र 1857 से मिलता है लेकिन इससे 2 वर्ष पूर्व ही 1855 में झारखंड में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की जंग छेड़ दी थी। सिदो कान्हो के नेतृत्व में 30000 से ज्यादा संथाल परगना के लोगों ने करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो का नारा देकर अंग्रेजी सरकार के विरोध में हुल विद्रोह क्रांति की शुरुआत की थी। माल्यार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर सह मंत्री सोनू कुमार, सुमित सेन, सनी कुमार, विशाल कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमित पांडे उपस्थित रहे।

तख्त बदल दो-ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो

हेमंत सरकार लाठी-डंडो से न तो आंदोलन कुचल पाएगी न ही भाजपा कार्यकर्ताओं के इरादे को

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । सचिवालय घेराव को भाजपा कार्यकर्ताओं का जत्था निकली पदयात्रा के माध्यम से लाखों की संख्या में कार्यकर्ता सचिवालय की ओर भाजपा के सम्मानित प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश जी के नेतृत्व में रवाना हुई उस दौरान प्रथम ब्रीकेटिंग को पार करने के उपरांत दूसरी ब्रीकेटिंग पर जाते ही झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के पुलिस कार्यकर्ता बनकर आम कार्यकर्ताओं पुलिस द्वारा लाठी डंडा गोलियां चलाई जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए पाकुड़ जिला से सैकड़ों कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष अमृत पांडे के नेतृत्व में एवं प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक जी प्रदेश मंत्री मिस्त्री सोरेन लिट्टीपाड़ा के पूर्व प्रत्याशी दानियाल किस्कू जी के उपस्थिति में कार्यकर्ता लगातार आंदोलन पर सचिवालय की ओर बढ़ता चला गया पाकुड़ के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस के द्वारा पीटा गया एवं कई कार्यकर्ता पाकुड़ के चोटिल भी हुए । परंतु कार्यकर्ताओं का मनोबल नीचे नहीं हुआ ब्रीकेटिंग की ओर बढ़ता गया वही कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह, मीरा प्रवीण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष बलराम दुबे,जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू,जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह, जिला सोशल मीडिया तुहीन कांति शुक्ला, मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार साह, मनोरंजन सरकार, रतन भगत पार्थ रक्षित व सैकड़ों कार्यकर्ता समर्पित होकर लगातार आंदोलन को बढ़ता गया. भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ने के लिए संकल्पित है.

पुलिस इंस्पेक्टर कोयला चोरी, सड़क सुरक्षा नियम एवं चडक मेला को लेकर ग्रामीणों के साथ की बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के पचईबेड़ा प्रधान टोला और धीरी टोला में ग्रामीणों के साथ बैठक किया। बैठक में थाना प्रभारी ने कोयला चोरी, सड़क सुरक्षा नियम एवं 17 अप्रैल को होने वाली चडक मेला को लेकर ग्रामीणों को आवशचक दिशा निर्देश दिया। आगामी 17 अप्रैल को गांव में आयोजित होने वाला चड़क मेले का सफल आयोजन, कोयला वाहक डंपरों से कोयला चोरी पर अंकुश सहित सड़क सुरक्षा बैठक के अहम विषय रहे। उन्होंने ग्रामीणों से मेले के आयोजन की तैयारी से संबद्ध विभिन्न बिंदुओं की जानकारी लिया। मेले के आयोजन के दौरान अनुशासन बनाए रखने की अपील ग्रामीणों से किया। कोयला वाहक डंपरों को जहां तहां रोककर कोयला चोरी अथवा कोयले के अवैध भंडारण न करने की अपील भी किया। उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि कोयला चोरी कानूनन अपराध है। आप डंपरों से कोयले को अवैध ढंग से उतारे जाने के गलत कार्य को रोकने में पुलिस प्रशासन को सहयोग दें। साथ ही सड़क सुरक्षा मानकों के अनुपालन करने को ले भी ग्रामीणों को सजग किया। उन्हें सड़क पर चलने के दौरान एहतियात बरतने, बाइक चलाने के दौरान हेलमेट यूज करने, बाइक तेज न चलाने, थ्री राइडिंग न करने आदि की जानकारी दिया। पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा की हम सब सचेत होकर सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। विधि व्यवस्था को बनाए रखने में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

मिजिल्स रूबैल्ला टीकाकरण अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाला

हिरणपुर(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मिजिल्स रूबैला टीकाकरण अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने को लेकर सोमवार को हिरणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य केंद्र सहित बालक मध्य विद्यालय हिरणपुर एवं प्रखंड के अन्य विद्यालय से अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता रैली निकाला गया। हिरणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जागरूकता रैली प्रभारी डॉक्टर सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में, विनोद कुमार, आशीष आर्य, सहीत सभी स्वास्थ्य कर्मी एवं सहिया जागरूकता रैली में उपस्थित थे, बालक मध्य विद्यालय हिरणपुर में प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी शिक्षकों एवं शिक्षिका सहीत विद्यालय के छात्र छात्राओं ने जागरूकता रैली ने मैं भाग लिया, इनके अलावा उत्क्रमित उच्च विद्यालय मोहनपुर, तोराई उच्च विद्यालय से भी जागरूकता रैली निकाला गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका छात्र-छात्रा एवं सहिया के अलावे स्वयंसेवी संस्था प्लान इंडिया के सदस्य शामिल थे। जागरूकता रैली में मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान मैं 9 माह से 15 साल के बच्चों को एम आर का टीका लगाने का अपील किया गया, रैली स्वास्थ्य केंद्र से निकलकर हिरणपुर बाजार का भ्रमण किया, वही बालक मध्य विद्यालय हिरणपुर सेबी रैली निकालकर अपने फुर्सत क्षेत्रों का भ्रमण किया जबकि तोराई, मोहनपुर आदि विद्यालय से भी जागरूकता रैली रैली निकाला गया, जो विद्यालय से निकलकर अपने गांव का भ्रमण किया।

डीसी व डीडीसी समेत जिला के पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के जयंती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया

सिदो-कान्हू, चाँद भैरव समेत सभी सेनानियों को नमन किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। सिदो-कान्हू पार्क में सिदो-कान्हू के जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त वरुण रंजन, उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी कौशलेश यादव, जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के जयंती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया तथा सिदो-कान्हू, चाँद भैरव समेत हूल विद्रोह के सभी सेनानियों को नमन किया। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजो की गुलामी एवं शोषण से मुक्ति के लिए क्रांति का बिंगुल फूंका था। उपायुक्त ने सिदो-कान्हू, चाँद भैरव समेत सभी सेनानियों को नमन किया। उपायुक्त ने कहा कि सभी को उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

मां छप्पर काली का वार्षिक पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न, काफी संख्या में श्रद्धालुओं पहुँच कर पूजा अर्चना किया

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । विजय रविदास।
रविंद्र चौक स्थित मां छप्पर काली का वार्षिक पूजा भक्ति, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से मंगलवार को संपन्न हुआ। पूजा के निमित्त सुबह से ही सुंदरपुर ही नहीं आसपास के श्रद्धालुओं महिला पुरुष काफी संख्या में पूजा करने मंदिर आना प्रारंभ हो गया था जबकि पारंपरिक स्थानीय पुजहर द्वारा परंपरा के अनुरूप 11:00 बजे माता का घट सर पर रख कर स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ मिलकर ढाक-ढोल के साथ छठ पोखर से घट भरके परंपरा के अनुरूप विधिवत पूजा हुआ. तत्पश्चात काफी संख्या में पाठा बलि भी हुई। हिरणपुर के लोगों में मां छप्पर काली के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति कूट-कूट कर भरी हुई है, आयोजकों में गिरजा लाल यादव ने बताया लगभग एक 100 साल से भी अधिक समय से पूजा का आयोजन स्थानीय लोगों के सहयोग से होता आया है, मंदिर भी छप्पर काली के नाम पर सेटलमेंट में दरज है। उन्होंने बताया अपने जीवन में 25 पैसा चंदा लेकर पूजा का आयोजन करते आए हैं। हिरणपुर में मां छप्पर काली के प्रति श्रद्धा का अनुमान इसी बात पर लगाया जा सकता है कि पूजा के काफी दिन पूर्व से ही लोगों में पूजा की तिथि की जानकारी और आयोजन को तैयारी करते देखा जा सकता है। मां छप्पर काली पूजा में पुजारी एवं आयोजन करता मैं मुख्य रूप से अर्जुन यादव, गिरजा लाल यादव, भीम यादव, शुबल यादव, दुखु यादव आदि स्थानीय लोग काफी सक्रिय थे।

उप विकास आयुक्त ने सोनाधनी व जोरडीहा पंचायत दर्जनों योजनाओं का निरीक्षण व उद्घाटन किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । उप विकास आयुक्त साहिद अख्तर ने मंगलवार को सोनाधनी व जोरडीहा पंचायत दर्जनों योजनाओ का निरीक्षण व उद्घाटन किया. डीडीसी ने सोनाधनी पंचायत के मागबिठा गांव में आम बागवानी के लिए दीवन मालतो के जमीन का उद्घाटन किया. उन्होंने लाभुक को जानकारी देते हुए बताया कि यह एक लाख छियासठ हजार योजना है जिसमे 48 आम का पेड़ तथा शीशम व सागवान के 56 पेड़ लगाना है. जिसकी देख रेख स्वयं करे. और अपने पुत्र की भांति पालन पोषण करे तभी इसका लाभ मिलेगा और प्रति वर्ष हजारो रुपये आमदनी आम बेचकर कर पाएंगे. वही उन्होंने प्राथमिक विद्यालय मागबिठा का निरीक्षण किया. उन्होंने विद्यालय में बच्चो की उपस्थिति 13 रहने पर शिक्षक को फटकार लगाया और हिदायत दिया कि नामांकित बच्चो को हर हाल में प्रति दिन विद्यालय में दिखना चाहिए. बच्चो को मीनू के अनुसार भोजन दे, बच्चो के भोजन में कटौती करने का प्रयास न करे.

अन्यथा विभागीय करवाई की जाएगी. ततपश्चात डीडीसी जोरडीहा पंचयात के दारादर गाव में संझली मुर्मू के जमीन में बन रहे टीसीबी योजना हरिपुर गांव में भी कई योजनाओ का निरीक्षण किया. उन्होंने उपस्थित बीडीओ संजय कुमार, बीपीओ मानिक दास, सहायक अभियंता साइमन हेम्ब्रम व कनीय अभियंता तथा रोजगार सेवक लालू रजक को निर्माधिन योजनाओ का प्रति दिन स्थल निरीक्षण कर लोगो को योजनाओ का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करने का आदेश दिया उन्होंने कहा केवल योजना बनने से क्या फायदा,जबतक लोगो को इसका लाभ नही मिलेगा,तबतक सरकार के उद्देश्य पूर्ण नही होगा. इसलिए क्षेत्र में लोगो हर योजना से होने वाले लाभ व हानि की जानकारी दे.

बीडीओ व प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने किसानों के बीच मूंग बीज का किया वितरण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मंगलवार को सदर प्रखंड पाकुड़ में प्रखंड विकास पदाधिकारी मो शफीक आलम एवं प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष मंशारूल हक की उपस्थिति में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन (एनएफएसएम) अंतर्गत किसानों के बीच मूंग बीज का वितरण किया गया। इसके प्रत्यक्षण हेतु प्रखंड के चार कलस्टर का चयन किया गया है। प्रखंड के चांदपुर पंचायत में 10 हेक्टेयर, उदयनारायणपुर में 10 हेक्टेयर, संग्रामपुर 5 हेक्टेयर एवं सोनाजोड़ी पंचायत में 25 हेक्टेयर में कुल 50 हेक्टेयर मे मूंग की बुआई की जाएगी। इस वितरण कार्यक्रम में मोहम्मद शमीम अंसारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सुदीप कुमार सिंह, नीलम कुमारी श्रीवास्तव, खालिदा खातून, सभी सहायक तकनीकी प्रबंधक, चितरंजन कुमार सिन्हा, तकनीकी सहायक एवं एनएफएसएम समेत अन्य उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्री बादल पत्रलेख से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। मंगलवार को शिकारीपाड़ा यूथ कांग्रेस के युवा नेता गौरव कुमार सिंह ने झारखंड के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख से शिष्टाचार मुलाकात कर शिकारीपाड़ा के छठ घाट की मरम्मत हेतु ज्ञापन सौंपा।मौके पर उन्होंने प्रखंड की अन्य समस्याओं पर बातचीत की। इस संबंध में गौरव कुमार सिंह ने कहा कि छठ घाट की स्थिति बहुत खराब हो गई है।यह शिकारीपाड़ा का एकमात्र छठ घाट है और किसी भी पूजा पाठ में इसी तालाब का उपयोग होता है। इसलिए घाट की मरम्मत जरूरी है।

दिवंगत शिक्षा मंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। प्रखंड संसाधन केन्द्र रानीश्वर में झारखण्ड प्रदेश प्रशिक्षित - अप्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ द्वारा दिवंगत शिक्षा मंत्री स्व जगरनाथ महतो के आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए तथा श्रद्धांजलि सुमन अर्पित करने के लिए शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसमें नन्द दुलाल लायेक,प्रखंड अध्यक्ष द्वारा दिवंगत मंत्री के सहायक अध्यापक के प्रति सहानुभूति और सकारात्मक पर प्रकाश डालने के बाद श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। शोक सभा में सेख मो आली,प्रखंड सचिव तथा मोहन ठाकुर,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा स्व शिक्षा मंत्री के कार्यशैली और उनके अभाव में पूरे शिक्षा विभाग पर आने वाले समस्या पर चर्चा के बाद श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा में विश्वजीत चक्रवर्ती,अरशद रशीद, प्रदीप मंडल,मितन सोरेन,सुशील बेसरा, परेश मरांडी, मिताली रुज, मीनाक्षी दास, देवरंजन दास, अलोक चक्रवर्ती, अर्चना राउत सह अनेक सहायक अध्यापक-अध्यापिका उपस्थित हो कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंचायत सचिव के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। काठीकुंड प्रखंड के विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार ने पंचायत सचिव के पद पर चयनित प्रखंड के तीन अभ्यर्थियों को सोमवार को सम्मानित किया।पंचायत सचिव पद पर चयनित अवनीश कुमार,रुपेश कुमार एवं इंद्रजीत मंडल को उनकी सफलता के लिये बधाई देते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप भेंट प्रदान किया।नव चयनित तीनों पंचायत सचिव तेलियाचक बाजार के स्थायी निवासी है। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने तीनों को पंचायत सचिव के पद के रूप में मिलने वाले दायित्व का ईमानदार पूर्वक निर्वहन करते हुए भविष्य में भी पढ़ाई जारी रखते हुए बेहतर अवसरों को हासिल करने की शुभकामनाएं दी। बताते चलें कि पंचायत सचिव की परीक्षा में राज्य भर में 28 वां रैंक हासिल करने वाले इंद्रनील मंडल के पिता मधुसूदन मंडल बस कंडक्टर है, मां सविता मंडल गृहणी है। इंद्रजीत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। राज्य भर में 42 वां व दुमका जिला से तीसरा रैंक हासिल करने वाले रूपेश मंडल के पिता प्रदीप मंडल किराने की दुकान चलाते है,जबकि मां तुलसी देवी गृहणी है।रूपेश अपनी सफलता का श्रेय अपने परिजनों के साथ ही गहन अध्ययन को देते है। 280 रैंक के साथ चयनित अवनीश कुमार के पिता दुर्गा प्रसाद भगत व्यवसाय करते है।वहीं मां अराधना देवी गृहणी है।अवनीश अपनी सफलता में सबसे बड़ा योगदान अपने बड़े भाई प्रिंस कुमार व दोस्तों के सकारात्मक मदद को मानते है। चयनित तीनों अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्ष 2017 में पंचायत सचिव की परीक्षा काफी अच्छी गयी थी,हम अच्छें परिणाम को लेकर आश्वस्त थे। अपनी इस सफलता के पीछे उन्होंने नियमित अध्ययन व ग्रुप डिस्कशन को प्रमुख कारण बताया।तीनों की सफलता से तेलियाचक वासियों में हर्ष है।

उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर की जिला स्तरीय टीम से जांच कराकर कड़ी कार्रवाई की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि/दुमका। काठीकुंड प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में कर्मचारियों और बिचौलिया के मिलीभगत से बिना कार्य किये राशि निकासी का मामला गहराता जा रहा है।प्रखंड प्रमुख बिमला नीपू सोरेन ने मामले में मंगलवार को उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर जांच कर कार्रवाई की मांग की है।प्रमुख ने उप विकास आयुक्त को दिये आवेदन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री,उपायुक्त, आयुक्त,ग्रामीण विकास मंत्री को भी भेजी है।प्रमुख ने दिये गये आवेदन में आरोप लगाया है कि कर्मचारियों और बिचौलिया के साथ मिलीभगत से 10 से 20 प्रतिशत कार्य कर पूरी राशि की निकासी कर ली गई है।वर्ष 2020-21 से 2021-23 तक निर्मित/निर्माणाधीन योजनाओं में मनरेगा नियम के विरुद्ध बिना कार्य किये राशि का बंदरबांट कर लिया गया है।आरोप लगाया है कि प्रखंड में सैकड़ों योजनाओं में संबंधित कर्मचारियों ने बिचौलियों से मिलकर राशि की अवैध निकासी कर ली है। प्रमुख ने जिला स्तरीय जांच दल गठित कर प्रखंड अंतर्गत चिन्हित मनरेगा योजनाओं का निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

माल्यार्पण कर मनाया सिद्धो-कान्हू की जयंती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। मंगलवार को हुल क्रांति का शंखनाद करने वाले महानायक व झारखंड के माटी के वीर सपूत सिद्धू-कान्हू की जयंती आजसू पार्टी के द्वारा मनायी गयी। आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार दे की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया और शिकारीपाड़ा कॉलेज के सामने स्थपित सिद्धू कान्हु की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।मौके पर उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया। इस अवसर पर शिकारीपाड़ा आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार दे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सिद्धू कान्हु ने संथाल विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभाई थी तथा गैर आदिवासियों के साथ मिलकर जान की बाजी लगाकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लड़ाई लड़ी थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला सचिव मनोज श्रीवास्तव ,निरंजन भंडारी ,अशोक राय ,काजल वरण चंद्र, सीताराम मरांडी ,लखन मरांडी, बिटिया सोरेन, मुस्तफा अंसारी सहित के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

वनकाठी विद्यालय में निकाला गया प्रभात फेरी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उत्क्रमित मध्य विद्यालय वनकाठी के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें रूबेला और रूबेला और खसरा संबंधित स्लोगन दिया गया।स्लोगन में हम बच्चों का यही है नारा,रूबेला खसरा मुक्त हो दुमका हमारा।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्याम किशोर सिंह गांधी ने कहा कि रूबेला को जर्मन खसरा के रूप में जाना जाता है और रूबेला वायरस के कारण होता है। लोगों को आमतौर पर फैले हुए दाने, बुखार, सिर दर्द अस्वस्थता, लसीका ग्रंथि का बढ़ना, लक्षण होता है दाने आमतौर पर 3 दिनों तक रहता है लेकिन कुछ रोगियों को दाने बिल्कुल नहीं होते किससे ग्रसित स्वस्थ लोगों को खासकर गर्भवती महिलाओं को दूर रहना चाहिए इससे बचने के लिए टीकाकरण निश्चित रूप से करवाना चाहिए उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनकटी में 19 अप्रैल को टीकाकरण का तिथि तय किया गया है इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक रणबीर मल्ला दीपक पंजियारा विभूति मंडल विजय कुमार मरांडी उपस्थित है।

दुमका में कांग्रेस का जन सत्याग्रह अभियान शुरू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मंगलवार को कांग्रेस ने जय भारत सत्याग्रह अभियान शुरू किया. इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकने का आहवान किया.कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र में बैठी बीजेपी की तानाशाही सरकार के निर्णय और उनके इरादे के विरोध में प्रदेश की जनता को जागृत करने के लिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में जय भारत सत्याग्रह अभियान छेड़े हुए है. भारत में ये कार्यक्रम का सातवां दिन और झारखंड में 13 वां दिन है.

दुमका में कांग्रेस की ओर से आयोजित जय भारत सत्याग्रह एवं जिला कार्यकर्ता सम्मलेन में अविनाश पाण्डेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य लोगों के सामने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था और जो देश के अंदर अमन चैन को बर्बाद और अशांति फैलाने का कुप्रयास किया गया है, इससे जनता को बीजेपी से सावधान रहने के लिए सचेत करना है. उन्होंने कहा कि इन प्रश्नों को लेकर राहुल गांधी ने बिना किसी डर के मोदी और बीजेपी से समय-समय पर सवाल पूछे. अब पार्टी भी जय सत्याग्रह के माध्यम से जनता को जागरुक कर रही है.कांग्रेस के इस कार्यक्रम में पूरा फोकस नेताओं का राहुल गांधी को बचाने पर रहा. राहुल को देश मानकर नेता चल रहे थे जबकि नेताओं का भाषण मोदी सरकार और अडानी अंबानी को कोसने पर केंद्रित रहा. कार्यक्रम में राजेश ठाकुर , पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, विधायक प्रदीप यादव, ×कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्त्ता मौजूद है. दुमका जिला के जिला अध्यक्ष सहित कार्यकर्त्ताओं ने भव्य स्वागत किया.

सीएसपी संचालक से लूट के मामले में चौबीस घंटे बाद भी पुलिस को नहीं मिली कोई विशेष सफलता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। रामगढ थाना क्षेत्र के भालसुमर पंचायत के डेलीपाथर जोरिया के पास हथियार के बल पर भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक से एक लाख छत्तीस हजार रुपए की लूट के मामले में पुलिस जांच मंगलवार को भी जारी रही।काठीकुंड सर्किल के पुलिस इंस्पेक्टर सुशील कुमार मंगलवार को भी रामगढ़ थाने में मौजूद रह कर अनुसंधान की मॉनीटरिंग करते रहे।लूट कांड के सन्दिग्ध आरोपियों के ठिकानों पर पुलिस की विभिन्न टीमों के द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापामारी मंगलवार को भी जारी रही।अनुसंधान में प्रगति की बात कहते हुए पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बचते रहे।नाम नही छापने की शर्त पर पुलिस के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि लूट कांड के मामले में पुलिस अनुसंधान सही दिशा में चल रहा है।पुलिस अपराधियों के बिल्कुल करीब है तथा अपराधियों की गिरफ्तारी किसी भी समय हो सकती है।

उपायुक्त के निर्देशानुसार मुआवजा राशि भुगतान शिविर का होगा आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार देवघर जिला अंतर्गत सरकार के अतिमहत्वपूर्ण परियोजना झारखंड राज्य के बासुकिनाथ-देवघर मार्ग एन०एच०-114ए के चैनेज कि०मी० 85.081 से कि०मी० 130.835 तक के निर्माण हेतु परियोजना हेतु ग्राम-कोठियाजनाकी, थाना सं०-711, मौजा-रूपायडीह, थाना नं०-719 एवं मौजा-हरकट्टा, थाना नं०-678, थाना-मोहनपुर, अंचल-मोहनपुर, जिला-देवघर में भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उक्त तीनों मौजा अर्जनाधीन भूमि से संबंधित पंचाटियों को नियमानुसार मुआवजा राशि भुगतान करने हेतु मुआवजा राशि भुगतान शिविर का आयोजन दिनांक-13.04.2023 (गुरूवार) को समय-11:00 बजे पूर्वाह्न में स्थान-पंचायत भवन, हरकट्टा में किया गया है।इसके अलावा आप सभी संबंधित पंचाटियों से अपील की जाती है कि मुआवजा राशि प्राप्त करने हेतु उक्त निर्धारित तिथि को वैद्य साक्ष्य के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें, ताकि मुआवजा राशि भुगतान के लिए नियमानुसार कार्रवाई किया जा सकें।

उपायुक्त द्वारा राजस्व कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर की कड़ी कार्रवाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। जिला के उपायूक्त ने कार्यो में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर बड़ी कार्यवाई की है जिसके तहत राजस्व कार्य में लापरवाही व अनुशासनहीनता को लेकर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा देवघर अंचल कार्यालय अन्तर्गत कार्य में लापरवाही बरतने वाले राजस्व उप निरीक्षक तरूण कुमार को निलंबित किया गया है।साथ ही निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय अंचल कार्यालय पालोजोरी निर्धारित किया गया है। इसके अलावा अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व उप निरीक्षक फ्रांसीस किस्कू को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।साथ ही निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय मारगोमुण्डा निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में राजस्व कार्य में लापरवाही को लेकर अंचल कार्यालय में कार्यरत कम्प्युटर ऑपरेटर अजीत मालवीय को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त कर दिया गया है।वहीं उपायूक्त द्वारा इस प्रकार के करवाई से अन्य कर्मियों को भी एक लेसन मिलेगा और वे अपने कार्यों को ईमानदारी पूर्वक करेंगे।

आमआदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद देश को मिला तीसरा विकल्प :अश्विनी मिश्रा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आम आदमी पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर प्रश्नता व्यक्त करते हुए दुमका जिला अध्यक्ष अश्विनी मिश्रा ने कहा कि अब देश की तीसरा और सबसे भरोसेमंद विकल्प मिल गया है।आज तक देश की जनता भाजपा को कांग्रेस व कांग्रेस को भाजपा के विकल्प के रूप में देखती थी परंतु बहुत की अल्प अवधि में आम आदमी पार्टी अपनी संघर्ष एव पार्टी की जनकल्याण की नीतियों के कारण आज देश मे तीसरी सबसे बड़ी एव भरोसेमंद पार्टी के रूप में अपने को स्थापित करने का काम किया है।पार्टी राष्ट्रीय संयोजक अरबिंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में इतने कम समय मे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर इतिहास रचने का काम किया है।दुमका जिला अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में पार्टी काम करेगी।हम पंजाब की तरह झारखंड के अगले विधानसभा चुनाव में इतिहास रचने का काम करेंगे।झारखंड की जनता झामुमो,कांग्रेस व राजद की सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो गयी है।पूर्व में भाजपा ने भी जनता का शोषण करने का काम किया है।पिछले दो दशकों से राज्य में लूटतंत्र हावी है।सारी सीमारेखा को पर कर झारखण्ड में खनिज सम्पदाओं में रायल्टी की लूट मची हुई है।इस प्रदेश के पास अब आम आदमी पार्टी ही एक मात्र विकल्प बची है।लोग तेजी से आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे है।झारखण्ड में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर दिल्ली की विकास मॉडल को लागू राज्य के विकास का आयाम लिखा जाएगा।भविष्य में आम आदमी पार्टी केंद्र में भी सरकार बनाएगी और केजरीवाल देश का नेतृत्व करेंगे।

प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक किया गया आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रवाह संस्था जो कि प्रखंड के 20 गांवो में बाल संरक्षण पर कार्य कर रही है मुख्य रूप से उसके पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे। प्रवाह संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर वेस्टियन सोरेन एवं प्रेम कुमार ने संस्था द्वारा प्रखंड के 20 गांवों में बाल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालोवही संस्था के सचिव दिलीप दुबे ने प्रकाश डालते हुए कहा कि 20 गांवों में से अब तक 19 गांवों में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति का गठन किया जा चुका है संस्था जून 2022 से इस प्रखंडों में बाल संरक्षण पर कार्य कर रही है। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रखंड स्तरीय समिति एवं ग्राम स्तरीय समिति को सक्रिय बनाने की आवशयकता है। क्योंकि जब से मैं इस प्रखंड में पदस्थापित हूं यह पहली बैठक हो रही है सभी जनप्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इस कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति बैठक में पूर्वा संस्था के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ब्रेन चूस हेंब्रम जिला बाल संरक्षण के जिला कोऑर्डिनेटर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकारीपाड़ा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ देवानंद मिश्रा महिला प्रसार पदाधिकारी तरेशा मुर्मू शिकारीपाड़ा थाना के अवर निरीक्षक मनोज करमाली संबंधित पंचायतों के मुखिया ने भाग लिया।

Public and Politicians

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho/ desk: What is the relationship between public and politician or between politician and public? Theoretically, it stands on a pleasant and soothing to hear platform, for in democracy people are king and politicians stand at a receiving end. It reflects when public are eulogised by politicians' oft repeated words that they need blessings of public; they are servant of the public and public know everything. What a respect indeed!

In practice, these words are used as strategic weapons to appeal to the ego of public and take advantage out of it. Though public understand it, they invariably fall victim to crafty institutionalised designs of politicians who cause them stand divided along caste, creed, political ideology, language, region and interest groups. This is the general scenario of relationship where exceptions are too weak to establish the system where people are king in letter of spirit. Our system is a republic; it already has an institutional setting. But what is crucial to note is that it operates in reverse where politicians are king and public are unfortunate receivers. The reverse situation is revealing when one notes the standard of living of politicians and deplorable life of the public despite so many programmes and schemes to ameliorate latter's life. They are still in poverty despite garibi hatao campaign from 1971. Politicians committed to the campaign, whether at the Centre or in states, have grown from rich to richer, but there is no significant improvement of conditions of the poor. This is evident from the magnitude of rural migration to urban areas where slums stand as quintessence of poverty. Their helplessness could be understood with reference to COVID period. Temporary relief or rehabilitation is not a permanent solution to poverty as long as politicians do not change their mind set and go on extracting public money in one way or the other.

A simple example would explain. Bank linkage of beneficiary account transfers money directly, but what's about money collected by politicians or their agents to include names of people in beneficiary list? It is a practice in gram panchayats. There are hundreds of cases in panchayats where a party supporter avail several schemes in the names of all members of the family while needy ones cannot raise any voice against injustice. Often it is noted that the weak are tamed with the promise of 'next time' and those who seem to be a threat through RTI are bribed. For small benefit the party ideology is also found compromised in villages. Even cases of false accounts in the name of beneficiaries are opened in bank branches of distant places in connivance with bank officers. Money is transferred to the beneficiary no doubt, but the institutionalised mechanism evolved by village politicians stand on the way of a fair deal. These cases are reported occasionally in media, but surprisingly the system continues unabated. But how? It is a million dollars question. The public in a village are divided along party line; or work as accomplice of corruption considering it a part of institutionalised syphoning mechanism.

Do politicians really value the dignity of public? A few days ago 14 political parties sought special treatment for their members who are indicted from the Supreme Court. Obviously, their thinking points to their conviction about a higher status than the public. As citizen of the country, all are equal in status and all have equal access to power and privileges. Power or position is a responsibility to be discharged, a trust to be maintained; but not the occasion to celebrate the greatness of the power and identify the self with the power. This is evident in VIP culture in public spaces. It is not illogical to argue that differences in responsibility are looked through the prism of power differences that stealthily but effectively fan a feeling of superiority and inferiority among equals. Some citizens become superior to others, but denounce any difference through jugglery of words like primus inter pares (first among equals). Formal declaration of 'all are equals' makes way for 'some equals' to the platform greater power, status, privileges and access to state resources. Public stand at the bottom of equality scale and connected with 'some equals' with unending hope of getting fair deal from the above! The adage that people are king turns upside down.

Among the politicians, ideological differences lead to political differences and any activity of public welfare by one politician becomes eyesore of others. K. Chandrasekhar Rao's absence at the inaugural event of Vande Bharat Express from Secunderabad to Tirupati on April 9, 2023 is an example. Politicians differ in their understanding of people as far as latter's socio-administrative status is concerned. It stands clear when such politicians come to power and reorganise the status. This is evident when Bommai government scrapped previous government's reservation criterion for Muslims under OBC quota April 24, 2023 and shifted them to Economically Weaker Section category. The point is not who is correct, about how people perceive the public.

A resolution of Andhra Pradesh Assembly in March 2023 recommended for SC status to dalit Christians. Similarly, Jharkhand and West Bengal Assemblies resolved for a separate religious identity of tribes. The desirability of resolutions is not questioned here, but how interest of other communities is safeguarded in greater public interest, which is absent in the resolutions, invite criticism about politicians understanding of the public as a whole. Understandably, public see themselves in the process of development as politicians want them to see. Inclusion of new communities or regrouping under SC and ST categories is an effort of identity construct of the public by politicians for political gain.

Politicians reduce the notion of public to the domain of their followers by assigning a different domain for non-followers. The latter are not public for them and their emotion and sentiment have no meaning for politicians. They see public as a divided lot according to their narrow perception and place their critiques in enemy's camp. While criticising Ramacharitmans politicians like Chandrasekhar and S.P.Maurya are quite blind to the emotion and attachment of public for the book. Even politicians like Roli Tiwari Mishra and Richa Singh who extended their support to such public sentiment have been expelled from Samajvadi Party which Maurya belongs to. For politicians public constitutes the group of their interest!

Public see what the political leaders they follow make them to see. For followers of Maurya, Ramacharitmans is what their leader said them to be. Even if they doubt, they do not contradict. Contradiction would push them to non-following group! Public confusion is the ladder which politicians climb to reach the power. The ideology of Hindutva propounded by Balasaheb Thackeray created followers which got divided between Eknath Sindhe and Uddhav Thackeray camps. Of course, BJP follows a Hindutva which Uddhav Thackeray replaces by his newly constructed progressive religious-cultural ideas embodying reformist-socialist values. Perhaps it is too abstract for common public to understand and practise. But he has his followers who see Hindutva as their leader conceptualised. No doubt Hindutva has different versions of politicians' interest and holds confusion for the public.

Creating followers has a political overtone. BJP's outreach to Matua sect in Bengal or Pasmanda Muslims has political motive and so also organisation of Iftar party by Nitish Kumar or RJD leaders. But there is a difference. While outreach is recognition to a section already in existence within the frame work of sav ka sathi sav ka vikas, Iftar is an appeasement strategy. While BJP extends its outreach to different sects and communities (Lingayat, Vokkaliga for example), Nitish and RJD leaders limit it to one religious group. Respect to a religious group could have been extended to Christians, Hindus, Jains, Buddhists or Sikhs also. Divisive mind is more visible than inclusive strategy in the appeasement of a group. Mamta's concern for Muslims is another case to the point. She threatens Hindus without taking measure to thwart any incident which with all probability she could foresee to happen.

This apart, criminals like Atiq Ahmad, Mukhtar Ansari in the garb of politicians are on the prowl to devour the public. Separatist leaders like Amrit Pal Singh, with foreign hands behind, mislead the public in the name of religion or community and create an atmosphere against national interest.

Politicians operate in a manner beyond comprehension of common public. Ashok Ghelot tried to get the support of people for retaining power in Rajasthan and at the Centre as well as Congress President. He was reduced to his size and he could not contest for the post of President of CWC. Sashi Tahroor who contested for the same post did not get support of congressi politicians (voters of the post of CWC president) not because of his inefficiency, but because of high commands weight on Malikarjun Kharge. Ghulam Nabi Azad's biography reveals how Congress high command did not heed to problems of Himanta Biswa Sharma, who had the support of public as a leader. When Sharma wished to leave Congress Rahul Gandhi allowed him to leave. Sharma shifted to BJP and so also most of his followers he had garnered during his Congress tenure.

Politicians manipulate public, or public have their own liking and disliking of leaders. Further there is hierarchy in politician ranks. It is the top rank that decides the fate of politicians, not the choice of the public, which is either spontaneous or manipulated.

It is said that public know everything. Why then politicians campaign during elections and brainwash with choicest words? The government formed by the winning politicians along with government servants are believed to work in 'public interest'. Where is public interest when public judge themselves through the eyes of politicians? Is public interest the name for politicians' interest? Was it public interest when previous government guided NCERT curriculum? Is it public interest when present government restructures it? What is the standard of measuring public interest? Is it political ideology or national feeling?

Public are made dependent on free doles at the cost of their self-esteem. The way people are made dependent is a serious concern and to say the public so is to invite public and politician ire. It is found that farmers in villagers turn into growing class of consumers through freebies under different schemes. Tax payers resent the freebies and farmers enjoy the status of consumers without spending for procurement. The trend is not a good omen for future social and economic progress of the nation. Tradition of village production base is either damaged or shifted to contract farming. The result is that the producer agents are now consumers.

In political procession, people are paid to participate. They are provided with transport facility and food. Public earn no doubt, but where from this money come? Is not it something like exploiting the situation of poverty of the public? Does it reflect their political commitment when they participate in different processions? Don't politicians pollute their feelings of ideological commitment by exploiting their poverty?

Politicians form government, which they attribute to people's blessings. But these people organise protests sometimes being instigated by other politicians. Newspaper reports point to foreign hands and politicians' instigation in farmers' protest (August 2020 to December 2021), hijab row (2020-2021) in Karnataka, anti-Sterlite protests in Tamilnadu (2018), and Shaheen Bagh protest (2019-2020) in Delhi. Are the protesters public or b-group politicians? When public becomes politicians then chaos is the outcome. It is said in Odia, if all bullocks are right shouldered, then who will pull the plough?

Politicians have one and only one interest, i.e. the interest in power. To achieve this goal most of them make the public sacrificial goat and feed them with the idea that appeals to their sentiment in the name of religion, community, region or anything the former can profitably employ. Under such a situation, a greater role and understanding of the public are demanded in a democracy, not as blind and divided followers of politicians. There are distracting forces working in the public sphere; people see themselves as religious, social, professional and rural groups, or any other such divisions. There is also an expectant group who fall victim to politicians' promises or own expectations for a good to happen. There are also indifferent and timid groups. Though different groups have their specific issues, still the public should not be divided on such counts. Both should go together. Divisions make the public weak and politicians grow strong to exploit. It is public who can only make the adage, in democracy people are the king, true. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

आजसू पार्टी फुसरो नगर समिति के द्वारा सांसद आवासीय कार्यालय मकोली मे संथाल हुल के महानायक सिद्धू कान्हु की जयंती मनायी गयी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो। सांसद आवासीय कार्यालय मकोली पर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। सबसे पहले वीर योद्धाओं के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रध्दांजलि दी गई।

केंद्रीय सचिव संतोष महतो ने कहा कि भारत में इस्ट इन्डिया कम्पनी के आने के बाद अंग्रेजो ने बंगाल से शुरू कर संथाल परगना मे अपना अधिपत्य जमाने लगे। महिलाओं के इजाजत से खिलवाड़, आदिवासियों का जमीन हड़पना, बेतहासा लगान वशुल कराना एवं शोषण जुल्म की अनन्त दास्तान झेलने पर मजबूर किया।

केंद्रीय सदस्य सूरज महतो ने कहा जमिन्दार साहुकारों के द्वारा अंग्रेजी हुकुमत ने अपने खेल शुरु किया। सिद्धो कान्हु चान्द भैरव और फुलो झानो भाई बहनों ने अंग्रेजी हुकुमत को चुनौती देने का संकल्प लिया और पारम्परिक हथियारों से युद्ध की शुरुआत की।

युवा नेता दीपक महतो ने कहा अंग्रेजो के छक्के छुड़ाने के लिए 50 हजार जन फौज बना कर अंग्रेजी हुकुमत को खदेड़ना शुरू किया था मगर अंग्रेजो ने गरीबो को दलाल बना कर गिरफ्तार कर हत्या कर दी थी। आज भी इस लडाई का कहानी संथाल परगना के साहेबगंज का भोगनाडीह गांव संथाल हुल का गवाह है।

जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि महेंद्र चौधरी ने कहा कि हम सिद्धू-कान्हु के जयंती पर खुशहाल झारखण्ड के सपनो को साकार करने के लिए आगे बढे।

सांसद प्रतिनिधि नरेश महतो ने कहा संथाल हुल के नायकों से सबक लेकर नया झारखण्ड बनाने के लिए आन्दोलन का आगाज करे।

सांसद प्रतिनिधि अशोक चौहान ने कहा कि हम लडाई का नेतृत्व कर सिद्धु कान्हु के आदर्श को स्थापित करने का संकल्प लें।

नगर अध्यक्ष महेश देशमुख ने कहा कि संथाल हुल के महानायको के जयंती पर संकल्प ले कि झारखंडी सपना को साकार किया जाय। 13 अप्रैल को हमारी पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर समाजिक न्याय मार्च कर झुठ फरेब लुट भ्रष्टाचार पर टिकी झारखण्ड की हेमंत सोरेन सरकार को अपदस्थ कर राज्य के नवनिर्माण मे अपनी भूमिका सुनिश्चित करे।

मुख्य रूप से पूर्व मुखिया धनेश्वर महतो, बेरमो प्रखंड उपाध्यक्ष बीरु हरि, छात्रसंघ अध्यक्ष पप्पू सिंह सचिव विक्की महतो, जितेश कुमार, जसवंत महतो, रोहित चौधरी, चीकू शर्मा, सुनील कुमार, विक्की कुमार महतो, महेंद्र महतो आदि शामिल थे।

ईजी टू कैरी बैग

बैग का मैटीरियल ऐसा हो जिसमें सामान डालने से उसका आकार खराब न हो। ओवर साइज बैग भी ट्रैंड में हैं। कुछ ड्रैसेज के साथ और कुछ समारोहों में ओवरसाइज बैग अच्छे लगते हैं। वैसे ओवरसाइज बैग वर्किंग वूमेन के लिए लाभप्रद भी हैं।

प्राचीन समय में बैग का अर्थ थैला या कपड़ों को कैरी करने वाला बैग होता था पर आज बैग का अर्थ बिल्कुल भिन्न है। यह फैशन स्टेटमैंट बन चुका है। छोटे बच्चों को टॉयस रखने के लिए बैग चाहिए, स्कूली बच्चों को स्कूल के अलावा पिकनिक बैग चाहिए। ट्यूशन पर जाने वाले को हल्का बैग चाहिए जिसमें एक-दो रजिस्टर और बुक आ सकें। उसके लिए भी लड़कियां थोड़े ट्रैंडी बैग्स लेना पसंद करती हैं।

कालेज जाने वाले लड़कों और लड़कियों को तो स्टाइलिश बैग्स और वैरायटी बैग्स चाहिए होते हैं।

नौकरी पर जाने वाली लड़कियों और महिलाओं को ऐसे बैग्स चाहिएं जिसमें वे अपना टिफिन, कुछ मेकअप का सामान आदि रख सकें। वैसे आजकल बाजार में हर कलर, स्टाइल व आकार के विभिन्न बैग्स उपलब्ध हैं। यदि आप भी बैग खरीदने की सोच रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें-

- ट्रैंड के अनुसार बैग लें पर खरीदने से पहले उसे कंधे पर लगा कर देखें कि आप पर वह सूट कर रहा है या नहीं। नहीं कर रहा है तो वही बैग लें जो आपकी पर्सनैलिटी को सूट करे।
- अगर आप हैवी ड्रैसेज के साथ बैग ले रही हैं तो ध्यान रखें, उसके साथ बैग सिम्पल लें। यदि सिम्पल ड्रैस है तो बैग हैवी लें।
- बैग ड्रैस से मैच करता लें तो ड्रैस की भी रौनक बढ़ जाएगी।
- बैग का मैटीरियल ऐसा हो जिसमें सामान डालने से उसका आकार खराब न हो। ओवर साइज बैग भी ट्रैंड में है। कुछ ड्रैसेज के साथ और कुछ समारोहों में ओवरसाइज बैग अच्छे लगते हैं। वैसे ओवरसाइज बैग वर्किंग वूमैन के लिए लाभप्रद भी हैं। एक ही बैग में सब कुछ समा जाता है।
- बैग का मैटीरियल ऐसा हो जो गीला होने पर खराब न हो और उसे आसानी से गीले कपड़े से साफ भी किया जा सके।
- जो बैग्स पार्टी वियर हों उन्हें प्रयोग करने के बाद उनमें कागज भर कर रखें ताकि शेप खराब न हो। उन्हें तेज रोशनी और धूल-मिट्टी से भी बचा कर रखें।
- सीक्वेंस वर्क के बैग्स को साफ करते समय ध्यान दें कि उनके सितारे, शीशे, पत्थर, मोती, घुंघरू और तिल्ले की कढ़ाई खराब न हो।
- बहुत लम्बे बैग को उठाने में असुविधा होती है। बैग की लम्बाई अपनी लम्बाई के अनुसार लें। बैग जो भी लें, अपने कंधे पर लटका कर देखें कि आपका कंधा उस बैग को आसानी से कैरी कर सकता है या उसके स्ट्रैप बार-बार तो नहीं गिर रहे।
- बैग के अंदर जो कपड़ा लगा है उस पर बी नजर दौड़ा लें। कहीं वह कपड़ा जल्दी फटने वाला न हो।
- बैग्स की सभी जिप्स भी जांच लें कि वे ठीक-ठाक हैं।
- बैग में धूप का चश्मा और मोबाइल रखने के लिए अलग पॉकेट हो।

बिगाड़ो मत बच्चों को

पेरेन्ट्स का वर्किंग होना उनकी मजबूरी

इस बात में दो राय नहीं कि पेरेन्ट्स अपने बच्चों से बेहद प्यार करते हैं। वे वर्किंग इसीलिए होते हैं, ताकि वे अपने बच्चों का फ्यूचर सिक्योर कर सकें। अपने बच्चों को सभी फैसिलिटी दें सकें, लेकिन महंगे से महंगा खिलौना या किसी भी तरह की फैसिलिटी आपके बच्चे की वो जरूरत पूरी नहीं कर सकती, जो केवल आपसे ही पूरी होती है। वर्किंग लोड इतना होता है कि वे चाह कर भी अपने बच्चों को टाइम नही दे पाते।

कम्युनिकेशन गैप का बच्चों पर प्रभाव

कई पेरेन्ट्स की शिकायत होती है कि उनके बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता और जो भी पढ़ता है, वह भूल जाता है। इसके लिए वे न जाने क्या-क्या नहीं करते, लेकिन वे इस बात से बिल्कुल अंजान होते हैं कि अपने बच्चों की ऐसी हालत के लिए वे खुद ही जिम्मेदार हैं, बच्चों के साथ पेरेन्ट्स का समय न गुजारना ही बच्चों को ऐसी हालत में ले आता है, जिस वजह से बच्चा डिप्रेशन मे जीने लगता है। स्कूल से घर और घर से स्कूल की लाइफ से उनका मानसिक विकास रूक जाता है, तभी बच्चा झूठ बोल-बोल कर घूमने जाता है और गलत संगति में पड़ता है।

क्या करें पैरेन्ट्स

यदि आप अपने बच्चों को अपने वर्किंग लोड की वजह से रोज टाइम नही दे पा रहे हैं, तो आप उन्हें विकैंड हॉलिडे पर ले जा सकते हैं, ताकि आपका बच्चा पूरे वीकेंड की बातें आपसे शेयर कर सके और उसे अकेलापन भी महसूस न हो। इसलिए अपने बच्चे को आउटिंग के जरिए अपना ज्यादा से ज्यादा टाइम दें। अपने बच्चे को कुएं का मेंढक न बनने दें, बल्कि उन्हें बाहरी दुनिया को भी जानने और समझने का मौका दें। यदि आप अपने बच्चे को बाहर की दुनिया से अवगत नहीं कराएंगे, तो वह गलत तरीके से यानी आपसे झूठ बोल कर व गलत दोस्तों के साथ उनके गलत नजरिए से यह दुनिया देखेगा और उसके दिमाग पर उन्हीं गलत चीजों की छाप पड़ेगी, जो उनके दोस्त डालेंगे।

- आप अपने बच्चों को कहां-कहां आउटिंग पर बाहर ले जा सकती हैं? आउटिंग का मतलब केवल आउटिंग होता है यानी घर से बाहर कहीं भी आप उन्हें घुमाने ले जा सकते हैं।
- आप उन्हें बाहर ले जाकर अच्छी फिल्म दिखा सकते हैं। फेस्टिवल्स पर अपने रिश्तेदारों के यहां ले जा सकते हैं। अगर आपके पास थोड़ा ज्यादा समय हो, तो आप उन्हें शहर से बाहर भी आउटिंग के लिए ले जा सकते हैं।
- आप उन्हें सुबह व शाम की सैर पर भी ले जाएं। आप उन्हें स्कूल व ट्यूशन से लाने, ले जाने के जरिए भी उन्हें आउटिंग करा सकते हैं।
- याद रहे कि आउटिंग के दौरान ही आप उनसे उनकी बातें शेयर करें। इससे उन्हें अपनी बातों का महत्व पता चलेगा।

रोकें हाथ-पैरों का फटना

प्राय: सर्दी के मौसम में हाथ-पैर फटने लगते हैं, इसे बिवाई करते हैं। जब हाथ-पैर के फटे हुए अंगों से खून रिसने लगता है तो बिवाई का दर्द असहनीय हो जाता है। बिवाई अनेक कारणों से होती है जिनमें पाचन शक्ति का कमजोर होना, ठंडे पानी अथवा क्षारीय पदार्थों के निरंतर सम्पर्क में रहना आदि मुख्य हैं। अत: व्यक्ति को अपनी पाचन क्रिया अच्छी बनाए रखनी चाहिए और अपने हाथ-पैर ठंडे पानी, बर्फ और क्षारीय पदार्थों से दूर ही रखने चाहिएं। फिर भी यदि हाथ-पैर फटते हैं तो इसके लिए निम्नलिखित उपचार आजमाएं-

- फटे हुए अंगों से खून रिसने लगे तो कच्चे पपीते को पीसकर उसमें चौथाई सरसों का तेल तथा सोलहवां भाग पिसी हुई हल्दी मिलाकर धीमी आग पर पका लें। रात में सोने से पहले इसका लेप करके ऊपर से पट्टी बांध लें। इस प्रकार दो-तीन बार करने से काफी फायदा होगा।
- सरसों का तेल गुनगुना करके बिवाईग्रस्त अंगों पर लगाने से भी लाभ होगा।
- यदि हाथ-पैर ज्यादा फट गए हों तो बिवाइयों में बरगद का दूध भरना चाहिए। इस प्रकार दिन में दो-तीन बार करने से जल्दी फायदा होगा। यह सस्ता और सरल उपचार है।
- एक जग पानी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर गुनगुना कर लीजिए। फिर इसमें बिवाईग्रस्त अंगों को पन्द्रह मिनट तक भिगोए रखें। तदोपरांत पंचगुण तेल की मालिश करके साफ रूई से पट्टी बांध लीजिए। इससे बिवाइयां जल्दी ठीक हो जाती है।
- सर्दी के मौसम में हाथ-पैर की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ठंड़ी हवा, बर्फ अथवा क्षारीय पदार्थों के निरंतर सम्पर्क से हाथ पैरों का फटना स्वाभाविक है। रात को ठंडे पानी से नहाना भी नुक्सानदायक रहता है, केवल ताजे पानी से स्नान करें।
- स्नान के बाद सरसों के तेल की मालिश करना न भूलिए। इससे त्वचा मुलायम रहती है और बिवाई भी नहीं होती।
- इसके साथ-साथ खाने-पीने का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। शरीर को पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलने से कई प्रकार के रोगों से सहज रूप से बचा जा सकता है।
- यदि हम अपने शरीर को सर्दी से बचाकर रखें तो न केवल इससे सर्दी कम लगेगी बल्कि बिवाई जैसे चर्म रोग भी नहीं होंगे।

नाचोज कॉन क्वेरो

सामग्री : 75 ग्राम टोरटिला चिप्स, 50 ग्राम पिघला हुआ चीज, 20 ग्राम क्रीम, 50 ग्राम बेक्ड बीन्स, 2 टेबलस्पून मिल्क, नमक व काली मिर्च स्वादानुसार।

विधि : गुनगुना दूध, चीज, क्रीम, नमक व काली मिर्च-इन सबको मिला लें, एक प्लेट में टोरटिला चिप्स को सजा लें और ऊपर तैयार किए मिश्रण को इस पर डाल दें, सालसा सॉस और बेक किए हुए बीन्स के साथ सर्व करें।

डायबिटीज में खतरनाक स्ट्रोक

'स्ट्रोक' मौत के दरवाजे पर दस्तक के समान है। अक्सर सुना जाता है कि अमुक व्यक्ति के पिता या बड़े भाई को 'स्ट्रोक' आया और तब से वे बिस्तर पर पड़े रहते हैं। ऐसे मरीजों को डायबिटीज व ब्लडप्रेशर पहले से जरूर था लेकिन जब से उन्हें स्ट्रोक आया, तब से उनका टहलना बिल्कुल बंद है। 'स्ट्रोक' के बाद चलते समय उन्हें सहारे की जरूरत आ गयी। ऐसे लोग भावुक भी हो जाते हैं। वे अपना दुखड़ा सुनाते समय रोने लगते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें 'स्ट्रोक' के बाद गुस्सा आने लगता है। याददाश्त भी कमजोर होने की शिकायतें सामने आती हैं।

दरअसल, 'स्ट्रोक' अचानक आयी बेहोशी या फालिज या दोनों के एक साथ अटैक से आता है। बेहोशी तो ठीक हो गयी पर फालिज का हाथ या पैर पर असर बना रहा। पहले इस किस्म के स्ट्रोक के मामले ज्यादातर बूढ़े लोगों के साथ होते थे लेकिन अब डायबिटीज के बढ़ते प्रकोप से कम उम्र में भी लोगों को स्ट्रोक हो रहे हैं। आमतौर पर 50 की उम्र से ही डायबिटिक मरीज स्ट्रोक का शिकार होता है। निष्कर्ष निकला है कि 'स्ट्रोक' दुनिया भर में मौत का सबसे आम सौदागर है। मौतों में 'स्ट्रोक' तीसरा अहम कारण बन रहा है। डियबिटीज और दिल के मरीजों की मौत दूसरे नंबर पर है। महिलाओं के मुकाबले पुरूषों में डेढ़ गुना ज्यादा खतरा 'स्ट्रोक' का है। जानकार ताज्जुब होगा कि डियबिटीज में होने वाले पहले 'स्ट्रोक' के अटैक के दौरान सौ में से चालीस लोगों की मौत हो जाती है। बाकी साठ लोगों में दूसरी बार 'स्ट्रोक' का कहर टूटने पर ऐसे 35 फीसद मौतें होती है लेकिन तीसरी बार 'स्ट्रोक' होने पर 100 में से 35 लोग अपनी जान गंवाते हैं। दरअसल मेडिकल का शब्द है—टीआईए (ट्रांसिएंट इस्चीमिक अटैक)। इसके तहत क्षणिक बेहोशी या कमजोरी आ जाती है पर यह 24 घंटे से ज्यादा नहीं रूकती। ऐसे में वैस्कुलर सर्जन से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

ब्लडप्रेशर के मरीजों को भी 'स्ट्रोक' आ जाते हैं, साथ दिल की बीमारियों से पीड़ित रोगी भी 'स्ट्रोक' के घेरे में आते हैं। देखा गया है कि जिन लोगों को 'स्ट्रोक' आया, उनकी गर्दन में मौजूद धमनियों की दीवारों में चर्बी व कैल्शियम का जमाव हो गया था। इसे डॉक्टर 'एथिरोस्क्लेरोसिस' की प्रक्रिया कहते हैं। इसमें एक तरफ दिमाग को जाने वाले साफ खून की मात्रा में कभी आ जाती है और दूसरी तरफ चर्बी के टुकड़े दिमाग के अंदर मौजूद खून की नलियों में पहुंचकर उसे जाम कर देते हैं। अक्सर ये टुकड़े और खून के कण यानी प्लेटलेट ऊपर खिसक कर मस्तिष्क की नलियों को बंद कर देते हैं। इससे बार-बार अटैक होता रहता है। गर्दन की नलियों में सबसे ज्यादा 'कैराटिड' नली ही है, जो दिमाग में खून ले जाती है, इसलिए जरूरी है कि इस नली को सेहतमंद और चर्बी से दूर रखा जाए। ऐसा करने की सूरत में 80 प्रतिशत मरीजों में अटैक को रोका जा सकता है। गर्दन की दूसरी नली है 'वरटेब्रल आरट्री'। यह स्ट्रोक के पंद्रह प्रतिशत मरीजों में अटैक के लिए जिम्मेदार होता है। डायबिटीज के मरीजों में कैरोटिड नली में चर्बी जमा होने की प्रक्रिया जारी रहने की वजह से शुद्ध खून के बहाव में गतिरोध पैदा हो जाता है, कभी-कभी खून की नलियों में सूजन की बीमारी भी, खून के प्रवाह को रोक देती है। जैसे 'टाकायासू' नामक खून की नली का रोग, जो गर्दन की नली के साथ-साथ, शरीर की और भी खून की नलियों को प्रभावित करता है। सड़क दुर्घटनाओं में गर्दन पर चोट कैरोटिड नली की दीवार क्षतिग्रस्त होने पर यह खून के कतरे जमा हो जाते हैं, जिससे कैरोटिड नली के ऊपर दिमाग की आर जाने वाली खून की सप्लाई बंद हो जाती है।

क्या कैसे ?

डायबिटीज के मरीजों को कभी भी हल्का चक्कर आने या कमजोर की शिकायत होने पर तुरंत किसी वैस्क्युलर या कर्ॉडियो वैस्कुलर सर्जन से मिलना चाहिए। सबसे पहले गर्दन की कैरोटिड नली की जांच करवाएं और खून के प्रवाह को सही कराने की कोशिश करें, वरना स्ट्रोक या अटैक से बचना मुश्किल होगा। अगर स्ट्रोक का हमला हो चुका है और आपके न्यूरोलॉजिस्ट इलाज कर रहे हैं, तो भी डॉक्टर को बताकर किसी वैस्कुलर सर्जन को दिला लें, जिससे दोबारा स्ट्रोक होने की संभावना कम रहे।

हेल्थ प्लस

अच्छी नींद से बेहतर होगी याददाश्त

एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि याददाश्त को बेहतर करने के लिए अच्छी नींद आवश्यक है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अच्छी नींद का असर दिमाग की कार्यशैली पर पड़ता है और अगर रात में अच्छी नींद हो तो सुबह दिमाग की कार्यशैली में जबर्दस्त फर्क पड़ता है। अच्छी नींद से दिमाग की कोशिकाओं के बीच समन्वय बेहतर होता है जो याददाश्त और सीखने के लिए जरूरी है। यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा का यह शोध फेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी कांफ्रेंस में पेश किया गया है। शोधकर्ताओं ने 32 लोगों पर शोध किया जिसमें उन्हें कुछ चित्र दिखाए या कोई नई चीज सिखाई गई जो उन्हें याद रखनी थी। इनमें एक बिंदु को जॉयस्टिक की मदद से कंप्यूटर पर घुमाना भी शामिल था। दो समूहों के इस शोध में एक समूह आठ घंटे सोने दिया गया, जबकि दूसरे समूह को या तो सोने नहीं दिया गया या फिर थोड़ी देर ही सोने दिया गया। जब अगले दिन दोनों समूहों से चित्रों को याद करने या फिर पिछले दिन सीखी गई चीजों को करने के लिए कहा गया तो पाया गया कि जो आराम से सोए थे, उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। शोधकर्ता टीम के प्रमुख डा. सोफी स्वार्टज का कहना था, परिणामों के अनुसार एक नए अनुभव के बाद अच्छी नींद उस अनुभव को याद रखने में मदद करती है और सीखने में मदद करती है।

व्यस्त रहते हैं तो लें स्मार्ट डाईट

व्यस्त लोगों को स्वस्थ खानपान के लिए बस थोड़ी सी योजना बनाने की आवश्यकता होती है इसलिए यहां स्वस्थ लिविंग व स्वस्थ शरीर हासिल करने के लिए कुछ शार्टकट्स दिये जा रहे हैं...

आज के युग में जब आलस भरी जीवनशैली नियम बन गयी है, तो देखने में यह अच्छा है कि लोगों की सेहत दिन पर दिन गिरती जा रही गै। लोग अपने आपको और अपने जिस्म को फार ग्रानटिड लेते जा रहे हैं। उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि ढंग से खाना उन्होंने कब खाया था।

नाश्ता बहुत जरूरी है

अपनी सुबह की शुरूआत नाश्ते से करें। चाहे वह कोई फल हो या होल व्हीटब्रेड। ओट मील को गर्म पानी के थर्मस में डाल लें और आप पूरी रात इसे ऐसे ही रख भी सकते हैं। सुबह आपको गर्म पका हुआ ओटमील खाने के लिए तैयार मिलेगा। इसी तरह उबला हुआ अण्डा भी खाया जा सकता है। इस तरह आपका जिस्म भूख के मोड़ में नहीं जायेगा। रोजाना नाश्ता करने से आपकी पाचन दर भी बढ़ जायेगी।

दिन में पांच बार खाना खायें

दिन में कम से कम पांच बार खाना खायें। इनमें से तीन मुख्य मील्स हो सकते हैं-ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर। जबकि बाकी दो मील्स ऐसे हों जिनमें पौष्टिक स्नैक्स लिए जा सकें। कई बार खाने से भूख नहीं लगती, नियमित ऊर्जा मिलती रहती है और पाचन क्षमता भी बरकरार रहती है। स्वस्थ फूड्स खायें जैसे फल जिनमें अधिक फाइवर होता है- सेब, तरबूज, खरबूजा, संतरा, स्वीटलाइम, पपीता और पीच।

डिनर की योजना बनायें

कुछ लोगों के काम की मांग होती है कि उन्हें अक्सर डिनर के लिए रेस्त्रों में जाना पड़ता है। हमेशा छुपे हुए फैट्स पर ध्यान दें। क्रीमी सूप, व्हाइट ब्रेड, फलेती पेस्ट्री और मायोनेज आधारित सलाद ड्रैसिंग फूड में अनावश्यक फैट्स बढ़ा देते हैं। क्रीमी सूप की जगह ब्रोथ्स लें। मायोनेज ड्रैसिंग की जगह नींबू, सिरका, हर्ब्स, प्याज, लहसुन आदि का इस्तेमाल करें ताकि सलाद का स्वाद व पाचन क्षमता बढ़ जाये। ध्यान रहे कि एक ग्राम फैट में दो गुनी कैलोरियां होती हैं, एक ग्राम प्रोटीन या कार्बोहाइड्रेट की तुलना में। फ्राइड फूड्स की जगह ग्रिल्ड, वेक्ड, उबला हुआ या ब्रोइल्ड फूड खायें।

यात्रा के दौरान हाईड्रेट रहें

आपका काम ऐसा हो सकता है जिसमें यात्रा बहुत करनी पड़ती हो। हवाई यात्रा सबसे ज्यादा डी-हाइड्रेटिंग अनुभव होता है। यही वजह है कि लोग अक्सर खराब गले और अन्य सांस की बीमारियों की शिकायत करते हैं। इनसे बचने के लिए हवाई यात्रा के पहले या बाद में कैफीन, कोला या एल्कोहल न लें क्योंकि यह डाइयूरेटिक्स होते हैं और पानी की कमी को बढ़ा देते हैं। नमकीन स्नैक्स से बचें जैसे साल्टिड पीनट्स या फ्राइड फूड्स ताकि डी-हाईड्रेशन को कम किया जा सके। पानी, फ्रूट जूस, नारियल पानी, नींबू पानी आदि के रूप में अधिक लूइड लेने का प्रयास करें। हर व्यक्ति को दिन में 12 से 15 गिलास पानी पीना चाहिए। यात्रा में तनाव बढ़ जाता है इसलिए प्रोटीन की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिसकी भरपाई करने के लिए रोज थोड़ी सी अधिक प्रोटीन लें।

दिमाग हेतु जरूरी फलों का जूस

फलों या सब्जियों के जूस का प्रति सप्ताह तीन बार सेवन करने से अल्जाइमर नामक रोग का खतरा कम हो जाता है। ऐसा एक अध्ययन में सामने आया है जूस में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट्स हो सकती है इसके पीछे कारण हों।

यदि आप अपनी कमर के आकार को फैलने से रोकना चाहती हैं तो कम कैलोरी वाले या बिना अतिरिक्त शूगर वाले फलों का चुनाव करें।

ड्रिंकिंग जूस के साथ ही एंटी ऑक्सीडैंट्स की रोजमर्रा की जरूरत पूरी करने के लिए आप पूरा फल खाएं। इससे आपकी डाइट में फाइबर भी शामिल होगा। फलों तथा सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडैंट्स आपके दिमाग को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचा सकते हैं। ये डैमेज हाइड्रोजन पराक्साइड तथा कुछ निश्चित प्रोटीन्स की कमी के कारण होते हैं।

ताजा और रस भरे

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्त्ताओं ने पाया कि जो लोग सप्ताह में तीन या अधिक बार फलों के जूस का सेवन करते हैं उनमें प्रति सप्ताह एक बार फलों के जूस का सेवन करने वालों के मुकाबले अल्जाइमर रोग विकसित होने का खतरा कम होता है। हालांकि इस बात को प्रमाणित करने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है फिर भी जूस आपके भोजन में फलों को शामिल करने का आसान तरीका है। जूस के साथ ही नियमित कसरत तथा मानसिक उत्तेजना 'डिमैंशिया' यानी स्मृति नाश का मुकाबला करने में काफी सहायता मिलती है।

जेलेंस्की की जासूसी कर रहा अमेरिका:पेंटागन की लीक हुई रिपोर्ट्स में खुलासा, साउथ कोरिया पर भी यूक्रेन को हथियार देने का दबाव बनाया

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की जासूसी हो रही है, ये काम करने वाला कोई और नहीं बल्कि अमेरिका ही है। इसका खुलासा पेंटागन के लीक हुए क्लासिफाइड वॉर डॉक्यूमेंट्स में हुआ है। पिछले हफ्ते लीक हुई खुफिया फाइल्स में से कुछ अमेरिकी मीडिया उठठ के हाथ लगी हैं। जिनमें जेलेंस्की की जासूसी होने की जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि अमेरिका लगातार जेलेंस्की और उनके अफसरों के बीच हो रही बातों को इंटरसेप्ट करता यानी उन्हें सुनता है। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक लीक हुई फाइलों में ये भी सामने आया है कि अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार देने के लिए साउथ कोरिया पर दबाव बनाया और उनके राष्ट्रपति की भी जासूसी की है। BBC की रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने न सिर्फ जेलेंस्की बल्कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल और उनके दो सबसे बड़े अधिकारियों की भी जासूसी की है। अमेरिका ने दोनों अफसरों के बीच हुई एक बहस को सुना है। जिसमें उनके बीच यूक्रेन को हथियार देने पर बहस हो रही थी। इनमें से एक अधिकारी का कहना था कि वो यूक्रेन की बजाय पोलैंड को हथियार देकर ये साबित कर सकते हैं कि वो अमेरिका के दबाव में नहीं आए हैं। दरअसल, पिछले साल साउथ कोरिया ने इस बात के लिए हामी भरी थी कि वो अपने आर्टिलरी अमेरिका भेजेगा। साथ ही अमेरिका से ये आश्वासन मांगा था कि वो इन्हें यूक्रेन न भेजकर अपने पास ही रखेगा। लीक फाइल्स में सामने आया है कि साउथ कोरिया की सरकार के अधिकारी यी मुन हुई को अमेरिका पर भरोसा नहीं था कि वो ये हथियार अपने तक सीमित रखेगा। एक तरफ जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका की तरफ से उनकी जासूसी होने को कुछ नया नहीं बताया है। वहीं साउथ कोरिया में इस बात पर हंगामा मच हुआ है। विपक्ष इस मुद्दे को उठा रहा है और इसे अपने देश की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला बताया है। वहां के विपक्षी नेता ली जे म्यूंग ने कहा है कि अमेरिका को इस हरकत के लिए माफी मांगनी चाहिए। इन सब के बीच वहां की सरकार ने इस जासूसी की जांच करने की बात कही है। साथ ही ये भी बताया है कि राष्ट्रपति और उनके अधिकारियों के बीच होने वाली बातचीत किसी भी तरह से लीक नहीं हो सकती है। जासूसी का खुलासा उस समय हुआ है, जब 26 अप्रैल को साउथ कोरिया के राष्ट्रपति अमेरिका की स्टेट विजिट पर जाने वाले हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जासूसी की जानकारी बाहर आने के बात अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने साउथ कोरिया के डिफेंस सेक्रेटरी से बात की है। ऑस्टिन ने बताया है कि इन डॉक्यूमेंट्स को बदला गया है। ये सही नहीं हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि ये बदलाव रूस द्वारा गलत जानकारी फैलाने की कोशिश हो सकती है। हालांकि ओरिजिनल डॉक्यूमेंट में मौजूद वेपन डिलीवरी, सैन्य ताकत और दूसरी खुफिया जानकारी से जुड़ी तस्वीरों का लीक होना अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसी के सिक्योरिटी सिस्टम में बड़ी गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। बाइडेन सरकार लगातार इन डॉक्यूमेंट्स को डिलीट करने की कोशिश कर रही है।

वैश्विक आर्थिक ढांचे को आकार देता भारत, नई विदेश व्यापार नीति भी दे रही इसके संकेत

एक ऐसे दौर में जब वैश्विक आर्थिक ढांचा तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है और हाल-फिलहाल किसी बड़ी राहत के आसार नहीं दिखते, तब भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत बढ़िया प्रदर्शन कर उम्मीद जगाई है। भारत तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों से कहीं बेहतर तरीके से निपटने में सफल रहा। तमाम भू-राजनीतिक एवं भू-आर्थिक समस्याओं के बावजूद उसकी आर्थिक वृद्धि में तेजी कायम है। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विश्व अर्थव्यवस्था में भारत को 'चमकता बिंदु' बताया।

2023 की वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत योगदान अकेले भारत का रहा है। प्रभावी डिजिटलीकरण के साथ-साथ अनुशासित राजकोषीय नीति और पूंजीगत निवेश के लिए पर्याप्त संसाधनों जैसे पहलुओं के दम पर भारत न केवल महामारी के चंगुल से अपनी अर्थव्यवस्था को बाहर निकालने में सफल रहा, बल्कि वैश्विक आर्थिक सुस्ती के दौर में भी अपनी वृद्धि को चुस्त बनाए हुए है। इसी बीच मोदी सरकार ने नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) पेश की है। इस नीति का उद्देश्य 2030 तक देश के निर्यात को बढ़ाकर दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर करना है।

अतीत की नीतियों में जहां एक तय अवधि हुआ करती थी, उसके उलट इसमें ऐसा नहीं है। यानी इसमें समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन की गुंजाइश है। इसने उस व्यापार नीति की जगह ली है, जिसकी अवधि 2020 में समाप्त हो गई थी, लेकिन कोविड महामारी के चलते नई नीति में विलंब हो गया। जहां विश्व अर्थव्यवस्था मंदी को लेकर संघर्षरत है, वहीं नई व्यापार नीति के माध्यम से भारत ने वैश्विक आर्थिक ढांचे में अहम किरदार के रूप में उभरने की नई प्रतिबद्धता एवं आकांक्षा का संकेत दिया है।

भू-राजनीतिक स्तर पर विश्व की बड़ी शक्तियों में विभाजन साफ दिखने के साथ ही उनके बीच की विभाजक-रेखाएं निरंतर चौड़ी होती जा रही हैं। विश्व स्तर पर शक्ति को लेकर ध्रुवीकरण नई हकीकत है, जिसके साथ सभी राष्ट्रों को ताल मिलानी होगी। चीन की अपने इर्दगिर्द जारी आक्रामकता और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से विकसित देशों के पास विकास से जुड़े एजेंडे पर आगे बढ़ने की गुंजाइश कम हो गई है। वहीं शीत युद्ध के बाद भू-आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक आर्थिक ढांचे को लेकर बनी सहमति भी दरक रही है।

राजनीतिक विश्वास बनाने के लिए व्यापार एवं तकनीकी सहयोग अब विश्वास आधारित व्यापार एवं तकनीक साझेदारी की राह तैयार कर रहा है। आर्थिक उदारीकरण पर बहस का नेतृत्व करने वाले देश अब अप्रत्याशित रूप से उससे पीछे हट रहे हैं।

भारत तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों से कहीं बेहतर तरीके से निपटने में सफल रहा। तमाम भू-राजनीतिक एवं भू-आर्थिक समस्याओं के बावजूद उसकी आर्थिक वृद्धि में तेजी कायम है।

वैश्विक ढांचे में कई मोर्चों पर जो चुनौतियां उभर रही हैं उन्हें भारत के लिए एक मौके के रूप में देखा जा रहा है और भारतीय नीति-निर्माता यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि वैश्विक राजनीतिक एवं आर्थिक ढांचे में देश इस बार अपने लिए विशेष भूमिका बनाने का अवसर न गंवाए।

यदि भारत को वैश्विक व्यापार परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपना उभार सुनिश्चित करना है तो इसके लिए प्राथमिकताएं तय करनी होंगीं, जो नई व्यापार नीति में स्पष्ट दिखती हैं। यह नीति निर्यातकों के लिए डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को और आगे बढ़ाकर प्रक्रियाओं को सुसंगत बनाने, ई-कामर्स निर्यात को बढ़ाने, एमएसएमई यानी छोटे एवं मझोले उद्यमों के लिए पर्याप्त प्रविधान करने और अन्य देशों के साथ रुपये में व्यापारिक लेनदेन करने पर ध्यान देती है। भारत का निर्यात 2020-21 के 500 अरब डालर से बढ़कर इस साल 750 अरब डालर के रिकार्ड ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया, लेकिन वैश्विक व्यापार में अभी भी उसकी हिस्सेदारी बहुत कम है। ऐसे में भारत के लिए गतिशील विदेश व्यापार नीति पर आगे बढ़ना बहुत आवश्यक है, जो देश की बढ़ती आकांक्षाओं के साथ-साथ नए भू-आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

इसी दिशा में भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों यानी एफटीए को लेकर अपना रवैया बदला है। कुछ देशों के साथ उसके एफटीए हो गए हैं तो कई के साथ बातें चल रही हैं। असल में यह भारत का आर्थिक उभार ही है, जिसने पिछले तीन दशकों में उसकी विदेश नीति की दशा-दिशा को आकार दिया है। भारतीय नीति-निर्माताओं को देश के राजनीतिक-आर्थिक उभार के अनुरूप समायोजन करना पड़ा और उन्होंने उसी अनुरूप विदेश नीति को नया रूप दिया। भारत के आर्थिक कायाकल्प ने ही उसे उभरते वैश्विक ढांचे के केंद्र में ला दिया है। बढ़ती आर्थिक-सामरिक ताकत के दम पर ही भारत नए वैश्विक ढांचे में एक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा शानदार परिणाम देने के बाद भारतीय लोकतंत्र का आकर्षण भी और बढ़ गया है।

भारत की आर्थिकी ने पहले से ही वैश्विक सामरिक समीकरणों को बदलना शुरू कर दिया है और उभरते शक्ति संतुलन में भी उसका खासा प्रभाव दिखता है। यदि आज भारत वैश्विक ढांचे में 'प्रमुख खिलाड़ी' की भूमिका का दावा करने में सक्षम है तो यह भारतीय आर्थिक विकास गाथा के जीवंत एवं गतिशील होने की वजह से उपजे आत्मविश्वास का ही परिणाम है। आज यदि भारत एक जिम्मेदार वैश्विक अंशभागी की भूमिका निभा सकता है तो इसी कारण कि उसकी आर्थिक क्षमताएं उसे यह संभावना प्रदान करती हैं।

अब उभार ले रहे वैश्विक ढांचे में शक्तियां खुली प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इस स्थिति में वैश्विक संस्थान निस्तेज हो रहे हैं और आर्थिक वैश्वीकरण विखंडित हो रहा है। भारत इन सभी पहलुओं से जुड़ी बहस के केंद्र में है। आज पूरी दुनिया भारत की आवाज को इसीलिए सुनती है, क्योंकि लोकतांत्रिक भारत पांच ट्रिलियन डालर की आर्थिकी बनने के लिए प्रयास कर रहा है। विश्व उसकी विकास गाथा में विश्वास करने के साथ ही उसे पोषित भी कर रहा है। भारत अपना आर्थिक रुतबा बढ़ाकर ही वैश्विक ढांचे में अपेक्षित दर्जा प्राप्त करने में सफल हो पाएगा। इसीलिए कोई हैरत की बात नहीं कि भारत विश्व के साथ आर्थिक सक्रियता के मामले में अतीत की अपनी हिचक और असहजता को पीछे छोड़ रहा है। नई विदेश व्यापार नीति भी इसी रुझान को दर्शाती है।

दैनिक पंचांग

12 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.54 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.34 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	09.32 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.45 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.01 बजे से
शुक्र	वृष में	कन्या	16.13 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.24 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.39 ब.से
केतु	तुला में	धनु	22.55 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.00 बजे से
		कुंभ	02.46 बजे से
		मीन	04.19 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 102 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 03.45 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मूल 11.59 बजे को समाप्त।
योग परिघ 15.19 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 16.44 बजे तदनन्तर बव 03.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 21.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871581
जूलियन दिन 2460046.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रमजान **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 12 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

मार्ग-दर्शन

किसान ने सधुारा उसे ठगने वाले परिवार को

एक गरीब किसान के पास एक छोटा-सा खेत और एक बैल था। बड़े परिश्रम से उसने डेढ़ सौ रुपए इकट्ठे किए और एक और बैल पशु हाट से खरीदा। रास्ते में लौटते समय उसे चार लड़के मिले, जिन्होंने उससे बैल खरीदना चाहा। किसान ने सोचा कि यदि मुझे डेढ़ सौ से अधिक मिल गए तो बेहतर बैल खरीदूंगा। उसने बैल की कीमत लड़कों को दो सौ बताई। वे बोले, 'कीमत तो ज्यादा है। किसी समझदार व्यक्ति को पंच बनाकर फैसला करा लेते हैं।' वास्तव में चारों लड़के एक ठग पिता की संतान थे और उन्होंने अपने पिता को ही पंच बना दिया। पिता ने बैल की कीमत मात्र पचास रुपए तय की। वचन से बंधे किसान को बैल पचास रुपए में बेचना पड़ा, किंतु वह इस धोखे को समझ गया। अगले दिन किसान सुंदर महिला के वेश में चारों भाइयों से मिला। उन्होंने विवाह की इच्छा व्यक्त की। तब वह बोला, 'जो सबसे पहले मेरे लिए बनारसी साड़ी, मथुरा के पेड़े और सहारनपुर के आम लाएगा, मैं उसी से शादी करूंगी।' चारों शहर की ओर दौड़ पड़े। तब ठग पिता को अकेले में किसान ने खूब पीटा और अपना धन वापस ले लिया। चारों लड़के वापस लौटे तो पिता को बेहाल पाकर मन मसोसकर रह गए, क्योंकि किसान का पता तो जानते नहीं थे। अगले दिन किसान हकीम बनकर वृद्ध ठग की चोटों का उपचार करने पहुंचा और लड़कों को चार जड़ी-बूटी लाने भेज दिया। इस बार उसने ठग की पिटाई कर अपना बैल छुड़ा लिया। चारों भाई लौटे तो पिता को और बदतर अवस्था में पाया। उन्होंने प्रण लिया कि कभी किसी के साथ ठगी नहीं करेंगे। अन्यायी को अंततः बहुत बुरा परिणाम भोगना पड़ता है और तब उसे अपने किए पर घोर पश्चाताप होता है।

जीने की राह

आज के चालीसा महापाठ में आपका स्वागत है

प्रतिस्पर्धा के इस युग में सभी सफल होना चाहते हैं। इस समय धन, नाम, पद, प्रतिष्ठा कमाना बहुत मुश्किल काम नहीं है, लेकिन सबसे बड़ा चुनौती का काम है संतानों को योग्य बनाना, जो हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। बहुत धन होकर भी योग्य संतानें न हो तो हम निर्धन हैं। धन न हो और संतानें योग्य हो जाएं तो हमसे बड़ा धनवान नहीं। पिछले पांच वर्षों से देश-दुनिया में सवा करोड़ लोग श्री हनुमानचालीसा का पाठ कर रहे हैं। एक ही दिन, एक ही समय में ऐसा अनूठा प्रयोग किया जा रहा है। आज रामनवमी के दिन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से यही अनूठा अनुष्ठान होगा। हर महापाठ के विषय अलग-अलग रहे हैं। इस वर्ष का विषय श्री हनुमानचालीसा और संतानों पर केंद्रित है। हनुमानचालीसा की चौपाइयों में तुलसीदासजी ने हनुमानजी को गुरु बनाकर हमें आर्ट ऑफ पैरेंटिंग के सूत्र दिए हैं। हमें अपने बच्चों को शिक्षा, संस्कार, परिवार और व्यापार (कॅरियर) देना है। इसमें श्री हनुमानचालीसा एक मंत्र के रूप में हमारे काम आती है। केवल चालीसा के पाठ से काम नहीं चलता है। बरसों हनुमानचालीसा का पाठ करने वाले लोग भी अशांत पाए जाते हैं। हर सांस के साथ चौपाई को भीतर-नाभि तक उतारना होगा और अगली चौपाई को सांस के साथ बाहर छोड़ना होगा। इससे हमारे व्यक्तित्व के आसपास पॉजीटिव वाइब्रेशन होने लगते हैं। आज रामनवमी के दिन शाम ७ से ८ बजे इस अनूठे अनुष्ठान को आस्था टीवी चैनल पर देखकर अपने व्यक्तित्व को एक दिव्य रूप दिया जा सकता है। महापाठ में आज आपका स्वागत है।

व्यर्थ का हंगामा

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ, संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण बिना किसी विशेष कामकाज के समाप्त हो गया। अच्छा होता कि संसद में लगातार हंगामा होते देखकर इस सत्र को तय समय के पहले ही खत्म कर दिया जाता। इससे और कुछ नहीं तो सरकारी कोष का कुछ धन ही बच जाता। संसद न चलने देने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का जो काम कर रहे हैं, उसका औचित्य इसलिए नहीं, क्योंकि कहीं न कहीं दोनों पक्ष ही इसके लिए जिम्मेदार हैं।

जहां विपक्ष अदाणी मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से कराने की अपनी मांग को लेकर हंगामा करता, वहीं सत्तापक्ष इस मांग पर अड़ा रहा कि राहुल गांधी अपने उस बयान के लिए माफी मांगें, जो उन्होंने लंदन में दिया था। पक्ष-विपक्ष की इन मांगों का कोई विशेष महत्व नहीं था। अदाणी मामले में जेपीसी जांच का औचित्य इसलिए खत्म हो गया था, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने एक छह सदस्यीय समिति गठित कर दी थी। उल्लेखनीय यह है कि इस समिति के गठन में सरकार की कोई भागीदारी नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने समिति के सदस्यों का चयन स्वयं किया था। इसके बाद भी विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ, क्योंकि उसे होना ही नहीं था और संसद में हंगामा करने के लिए एक बहाना चाहिए था।

आश्चर्य की बात यह रही कि इस बार सत्तापक्ष ने भी संसद में हंगामा किया और इसके लिए यह जिद पकड़ी कि राहुल गांधी को लंदन में दिए गए अपने बयानों के लिए माफी मांगनी होगी। यह सही है कि राहुल गांधी ने लंदन में कई ऐसी बातें कहीं, जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थीं, लेकिन यदि इसे वह अपनी भूल मानने के लिए तैयार नहीं तो सत्तापक्ष या फिर अन्य कोई क्या कर सकता है? राहुल के बयानों पर सत्तापक्ष की आपत्ति सही थी, लेकिन उसे अपनी इस मांग को तूल नहीं देना चाहिए था कि संसद तभी चलेगी, जब वह माफी मांगेंगे।

ऐसा बहुत कम होता है, जब सत्तापक्ष ही संसद में हंगामा करता है, लेकिन इस बार ऐसा ही हुआ। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण इसलिए हंगामे की भेंट चढ़ गया, क्योंकि सत्तापक्ष और विपक्ष की निगाहें आगामी विधानसभा चुनावों के साथ लोकसभा चुनाव पर भी हैं। नि:संदेह राजनीतिक दल चुनावों की अनदेखी नहीं कर सकते, लेकिन आखिर इसका क्या मतलब कि चुनावों के चक्कर में संसदीय कार्यवाही की बलि ले ली जाए? क्या चुनाव निकट होंगे तो संसद नहीं चलने दी जाएगी? चुनावी माहौल बनाने के लिए संसद न चलने देना राजनीतिक स्वार्थ के लिए उसकी महत्ता को कम करना है। यदि राजनीतिक दल यह सोच रहे हैं कि उनके हंगामे से जनता प्रभावित हुई होगी तो यह सच नहीं, क्योंकि जनता तो प्रभावित होती है, संसद में होने वाली बहस से।

आदिवासियों के जीवन में सरकार ने क्या बदला

आदिवासी समुदाय आधुनिक विकास के लाभों से लाभान्वित होने में अनूठी चुनौतियों का सामना कर रहा है। केंद्र सरकार विभिन्न भौगोलिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों में उन तक पहुंचने के लिए उनकी विशिष्ट चुनौतियों को पूरा करने के लिए अनुकूलित विशेष कार्यक्रमों के लिए प्रावधान कर रही है। कृषि से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा से लेकर कौशल विकास तक भारत सरकार का इरादा हमेशा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का रहा है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, जनजातीय उत्पाद के विकास और विपणन के लिए संस्थागत सहायता, कमजोर जनजातीय समूहों के विकास की योजना के जरिए भारत सरकार आदिवासियों के उत्थान और उन्हें मुख्यधारा का हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रही है। आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए सरकार ने प्री और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय फेलोशिप और राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजनाओं को मजबूत किया। उन जिलों की पहचान की गई, जहां अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की शिक्षा तक पहुंच कम है। दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण

शिक्षा देने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय(ईएमआरएस) का सुदृढ़ीकरण भी किया गया है।

देश की जनजातीय आबादी में सिकल सेल रोग के प्रसार को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय सिकल सेल रोग नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया। वित्त वर्ष 2023 में सरकार ने स्वास्थ्य देखभाल खर्च बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 2.1 फीसदी कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन कार्यक्रमों के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया है। उनका बजट भाषण इसी प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ शुरू होता है, 'हम एक समृद्ध और समावेशी भारत की कल्पना करते हैं, जिसमें विकास का लाभ सभी क्षेत्रों और नागरिकों, विशेष रूप से हमारे युवाओं, महिलाओं, किसानों, ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तक पहुंचे।'

एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत 27 राज्यों में कुल 112 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स(एडी) की पहचान नीति आयोग ने की है। मैंने कई एस्पिरेशनल जनजातीय जिलों का दौरा कर आदिवासियों के साथ बातचीत की है और उन बदलावों के बारे में जानती हूं जो समाज में इस सरकार की पहल के रूप में आने लगे हैं। इनका प्रभाव अब प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों में दिखाई दे रहा है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार अनुसूचित जनजातियों में शिशु मृत्यु दर 62.1 (2005-06) से घटकर 41.6 (2019-21) हो गई है। वहीं पांच वर्षों से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 95.7 (2005-06) से घटकर 50.3 (2019-21) हो गई है। संस्थागत प्रसव 17.7 फीसदी (2005-06) से बढ़कर 82.3 फीसदी (2019-21) हो गया है, साथ में 12-23 महीने के बच्चों का टीकाकरण 31.3 फीसदी (2005-06) से बढ़कर 76.8 फीसदी (2019-21) हो गया है।

बजट में 2014 से स्थापित मौजूदा 157 मेडिकल कॉलेजों के साथ सह-स्थान में स्थापित किए जाने वाले 157 नए नर्सिंग कॉलेजों के लिए समर्थन का भी वादा किया गया है। यह भी दोहराया जाना चाहिए कि यह बजट शासन के सभी क्षेत्रों में सरकार को हासिल मील के पत्थरों पर आधारित है, खासतौर से ऐसी योजनाएं जो आबादी के सबसे हाशिए पर और कमजोर वर्गों को लक्षित करती हैं। उनके स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करने में योगदान देने वाली कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.7 करोड़ घरेलू शौचालय, पीएम उज्ज्वला योजना में 9.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन, 47.8 करोड़ पीएम जन धन बैंक खाते और सबसे महत्वपूर्ण हमारा कोविड टीकाकरण अभियान है, जिसमें 102 करोड़ आबादी (220 करोड़ टीकाकरण के साथ) शामिल है। सभी अंत्योदय और प्राथमिकता वाले परिवारों को अगले एक साल के लिए मुफ्त अनाज की आपूर्ति करके पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत समर्थन जारी है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत सभी योजनाओं और संसाधनों के कार्यान्वयन के संदर्भ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पंद्रहवां वित्त आयोग और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के साथ-साथ स्वास्थ्य अनुदान जैसे कार्यक्रमों के लिए जनजातीय लोगों पर निरंतर नीतिगत ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रसंगत: प्रजा का हित

पुराने जमाने की बात है। रायपुर में एक राजा राज्य करता था। उसकी प्रजा करों के बोझ से परेशान थी। एक दिन स्वामी हरिदास उसके दरबार में पधारे। राजा ने उन्हें प्रणाम करते हुए पूछा, 'महाराज! मैं आपकी क्या सेवा क

अमिताभ बच्चन की रिकवरी स्लो है: क्लोज फ्रेंड ने दी हेल्थ अपडेट, डॉक्टर की सलाह के खिलाफ जाकर अमिताभ ने की थी एड की शूटिंग

हैदराबाद में 'प्रोजेक्ट के' के सेट पर घायल होने के बाद से ही अमिताभ बच्चन बेड रेस्ट पर हैं।

हाल ही में उनके एक क्लोज फ्रेंड ने मीडिया को उनकी हेल्थ अपडेट दी है। उन्होंने बताया कि करीब एक हफ्ते पहले डॉक्टर की सलाह के खिलाफ जाकर अमिताभ बच्चन ने एक एड शूट किया था। इस दौरान अमिताभ चोट लगने के बाद पहली बार शूटिंग के लिए घर से बाहर निकले थे।

अमिताभ ने शूट का कमिटमेंट दे दिया था- क्लोज फ्रेंड

चोट के बाद अमिताभ को कंप्लीट रेस्ट करने की सलाह दी गई थी। इटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने एड शूट करने का कमिटमेंट दिया था। लेकिन, शूट में देरी होने की वजह से अमिताभ ने रिकवरी न होने के बावजूद भी शूटिंग की। बीते दिन अमिताभ बच्चन को हैदराबाद में फिल्म 'प्रोजेक्ट के' के सेट पर शूटिंग के दौरान चोट लग गई थी। उनकी पसली टूट गई थी और मसल में भी टियर आया था।

ब्लॉग के जरिए बताया- पसली टूटी, मसल में भी आया टियर

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए लोगों को इस हादसे की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा- मैं हैदराबाद में अपनी फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग कर रहा था। सेट पर एक्शन सीन के दौरान एक हादसा हुआ। मेरी रिब कार्टिलेज टूट गई। मेरी राइट रिब केज की मसल में टियर भी है। शूट कैंसिल की, डॉक्टर ने सीटी स्कैन भी किया। हैदराबाद में हुए इलाज के बाद मैं मुंबई आ गया हूं।

अमिताभ की रिकवरी काफी स्लो है- क्लोज फ्रेंड

रिपोर्ट के मुताबिक उनके क्लोज फ्रेंड ने बताया कि अमिताभ बच्चन जल्द से जल्द ठीक होना चाहते हैं लेकिन उनकी रिकवरी प्रोसेस काफी स्लो है। ऐसे में उन्हें ज्यादा मूवमेंट और रिस्क लेने से बचना चाहिए। उन्होंने बताया- जहां तक रेगुलर शूटिंग शुरू करने की बाद है तो उसमें अभी थोड़ा वक्त लगेगा। हैदराबाद में एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान उनकी पसिलयों में चोट आई थी। उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए ये जानकारी दी थी।

अमिताभ ने जलसा से फैंस को किया था ग्रीट

कुछ दिनों पहले अमिताभ बच्चन ने होममेड स्लिंग बैग पहने हुए जलसा से अपने फैंस को ग्रीट करते हुए फोटोज शेयर की थीं। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा था कि चोट गहरी है, लेकिन जल्द लौटूंगा। जख्म धीरे-धीरे भर रहा है, चोट गहरी है, उम्मीद है कि आज बोर्ड चढ़कर गेट तक जाऊंगा, उनसे मिलूंगा, उन्हें देखूंगा जो मुझसे इतना प्यार करते हैं। मेरे शुभचिंतकों की जिंदगी ही मेरी जिंदगी हैं, वो हैं इसलिए मैं हूं।

दर्द इतना की सांस लेना भी मुश्किल- अमिताभ

डॉक्टर ने स्ट्रैपिंग की है और आराम करने को कहा है। हां, ये काफी दर्दनाक है। अभी तो सांस लेना तक मुश्किल है। हिलने-डुलने में दर्द है। डॉक्टर ने कहा है कि राहत मिलने में कुछ हफ्तों का समय लग जाएगा। दर्द के लिए मुझे दवाइयां भी दी हैं।

फिलहाल, फिल्म का काम रोकना पड़ेगा। ठीक होने के बाद ही सेट पर वापस आऊंगा। मैं जलसा में ही आराम कर रहा हूं और रोज मरा के जरूरी कामों के लिए ही बिस्तर से उठता हूं।

सामंथा बोलीं- मैं पिछला कुछ भी भूलना नहीं चाहती: नागा चैतन्य से डिवोर्स पर पूछा गया था सवाल, कहा- मुझे जिंदगी ने सबक सिखाया है

हाल ही में सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम' के बारे में मीडिया से बात की। फिल्म के प्रमोशन इवेंट के दौरान सामंथा ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी से काफी कुछ सीखा है और ऐसा कुछ नहीं है जो वो बदलना चाहती हैं।

मैंने जिंदगी में काफी-कुछ सीखा है- सामंथा

दरअसल, 'शाकुंतलम' फिल्म में राजा दुष्यंत का करैक्टर कुछ समय के लिए शकुंतला को भूल जाता है। इवेंट के दौरान सामंथा से पूछा गया कि फिल्म की कहानी की तरह अगर आपको अपनी जिंदगी से कुछ भूलना हो तो आप किस चीज को भुला देना चाहेंगी?

जब उनसे ये सवाल पूछा गया तो सामंथा ने सीधे पूछ लिया कि क्या आप ये सवाल मेरे रिलेशनशिप को लेकर पूछ रहे हैं? फिर उनसे कहा गया कि आप भूलने के लिए कोई भी चीज चुन सकती हैं, जरूरी नहीं कि सिर्फ रिलेशनशिप की ही बात हो। इस पर सामंथा ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है जो वो भुलाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी के हर एक्सपीरियंस ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया है। बीते दिनों सामंथा ने अपने एक्स हस्बैंड नागा चैतन्य से डाइवोर्स और अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बारे में खुलकर बात की थी।

सामंथा ने आगे कहा- लेकिन मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती। मैं इस सवाल का जवाब देकर मुश्किल में नहीं पड़ना चाहती। मैं हर चीज हमेशा याद रखना चाहती हूं, हर चीज ने मुझे कुछ न कुछ सीखाया है।

कालिदास के प्ले 'अभिज्ञानमशाकुंतलम' पर बेस्ड है फिल्म

फिलहाल, सामंथा अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम' के प्रमोशन में बिजी हैं।14 अप्रैल को 'शाकुंतलम' बिग स्क्रीन पर रिलीज होगी। इससे पहले ये फिल्म नवंबर 2022 में रिलीज होनी थी लेकिन इसे फरवरी 2023 तक टाल दिया गया। सामंथा और देव के अलावा फिल्म में सचिन खेडेकर, कबीर बेदी, अदिति बालन और जीशु सेनगुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'महाभारत' के कैरेक्टर और कालिदास के प्ले 'अभिज्ञानमशाकुंतलम' पर बेस्ड है।

'रोडीज सीजन 19' के साथ कमबैक करेंगी रिया चक्रवर्ती: प्रोमो वीडियो में कहा- आपको क्या लगा मैं वापस नहीं आउंगी, डर जाउंगी..

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती जल्द ही 'रोडीज सीजन 19' के साथ टीवी स्क्रीन पर कमबैक करने वाली हैं। रिया प्रिंस नरूला और गौतम गुलाटी के साथ गैंग लीड करेंगी। चैनल ने शो का प्रोमो रिलीज किया है। इस प्रोमो वीडियो में ब्लैक ऑउटफिट में रिया बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रही हैं।

वीडियो में रिया कह रही हैं- आपको क्या लगा मैं वापस नहीं आउंगी, डर जाउंगीङ्कडरने की बारी किसी और की है। मिलते हैं ऑडिशंस पे..

'रोडीज कर्म या कांड' का पार्ट बनने के लिए एक्साइटेड हूं- रिया

शो से टीवी पर कमबैक करने के बारे में रिया ने कहा- मैं 'रोडीज कर्म या कांड' का पार्ट बनने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। मैं सोनू सूद और बाकी गैंग लीडर्स के साथ काम करने को लेकर भी एक्साइटेड हूं।

इस शो के दौरान मुझे अपना वो साइड सामने लाने का मौका मिलेगा जो किसी से डरता नहीं है। मुझे उम्मीद है कि मुझे अपनी इस नई जर्नी में फैंस से बहुत सारा प्यार और सपोर्ट मिलेगा।

इस प्रोमो वीडियो के अलावा चैनल ने 'रोडीज सीजन 19' के नए थीम- कर्म या कांड के टीजर भी रिलीज किए हैं। इस सीजन में सोनू सूद भी नजर आएंगे।

रानी मुखर्जी की फिल्म देखने बाद इमोशनल हुईं आलिया: बोलीं- एक मां के तौर पर काफी दुख हुआ

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक रियल स्टोरी पर बेस्ड फिल्म है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक मां अपने बच्चों को वापस पाने के लिए एक देश के लीगल सिस्टम और एडमिनिस्ट्रेशन से लड़ जाती है। अब इस फिल्म को देखने को बाद आलिया भट्ट का रिएक्शन आया है।

उन्होंने शनिवार को अपनी मां सोनी राजदान और बहन शाहीन के साथ इस फिल्म को देखा। फिल्म देखने के बाद उन्होंने लिखा, 'शनिवार की रात आंसुओं में बीती, जब हमने हमारी फेवरेट रानी मुखर्जी की फिल्म देखी। एक नई मां के रूप में इस फिल्म की कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया।'

आलिया भट्ट ने रानी मुर्खजी की तारीफ में लिखा, 'आपके जैसा कोई नहीं है रानी मैम, ऐसा लग रहा जैसे मुझे नॉर्वे से इंडिया लाया जा रहा है। ऐसी शानदार फिल्म बनाने के लिए पूरी टीम को बधाई।' आलिया ने फिल्म के अहम किरदार जिम सर्भ की भी तारीफ की है। आलिया ने कहा कि ऐसा कोई रोल नहीं है जो जिम नहीं कर सकते।

शाहरुख खान ने भी की थी फिल्म की तारीफ

आलिया भट्ट के पहले शाहरुख खान ने भी फिल्म की जबरदस्त तारीफ की थी। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था कि रानी ने जो एक्टिंग की है वो सिर्फ रानी ही कर सकती थीं। इसके अलावा अर्जुन कपूर, विक्की कौशल और कैटरीना कैफ सहित कई स्टार्स ने फिल्म की प्रशंसा की थी। ये फिल्म एक सच्ची घटना पर बेस्ड है। फिल्म में एक भारतीय मां अपने बच्चों को कानूनी दांव-पेंच से बाहर निकाल कर वापस पाने के लिए की पूरी कोशिश करती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक मां अपने बच्चों को वापस पाने के लिए एक देश के लीगल सिस्टम और एडमिनिस्ट्रेशन से लड़ जाती है। रानी मुखर्जी ने फिल्म में जिसका किरदार निभाया है असल जिंदगी में उनका नाम सागरिका चक्रवर्ती है। वो कोलकाता की रहने वाली हैं। वो 2007 में अपने पति सहित नॉर्वे शिफ्ट हो जाती हैं। उनके दो बच्चे हुए। 2011 में नॉर्वे की चाइल्ड वेलफेयर सर्विसेज के अधिकारी सागरिका के घर आते हैं और उनके दोनों बच्चों को अपने साथ लेते जाते हैं।

उनका क्लेम होता है कि सागरिका और उनके पति अपने बच्चों का सही ढंग से ख्याल नहीं रख पाते हैं, इसलिए नॉर्वे के कानून के मुताबिक, बच्चों को सरकार अपने संरक्षण में रख लेती है। अब सागरिका अपने बच्चों को दोबारा पाने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ती है। फिल्म में पूरा यही प्रकरण दिखाया गया है।

फिल्म को लेकर विवाद भी हुआ

फिल्म के रिलीज के साथ एक विवाद भी हुआ। भारत में नॉर्वे के एम्बेसडर हंस जैकब फ्रेडनलिंड ने फिल्म के मेकर्स पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, फिल्म में नॉर्वे को गलत तरीके से दिखाया गया है। फिल्म को एक गलत नैरेटिव के तहत बनाया गया है। साथ ही इसमें कई फैक्ट्स भी गलत बताए गए हैं।' हंस जैकब फ्रेडनलिंड ने कहा कि ये उनका कर्तव्य है कि वो अपने देश के बारे में सही पक्ष रखें।

लॉफिंग ज़ोन

टीचर (बबलू से), ''तुम्हें पक्षियों से प्यार है न?''

बबलू, ''बिल्कूल सर, पक्षियों पर तो मैं जान देता हूं।''

टीचर, ''अच्छा तो फिर उनसे अपनी मोहब्बत का इजहार करने के लिए तुम जल्दी से मुर्गा बन जाओ।''

□ □ □

नेता जी ने अपने भाषण में कहा, ''मैं जानता हूं कि पानी की कमी के कारण आप लोग परेशान हैं लेकिन एक बात की आप लोगों को खुशी भी होनी चाहिए कि जब तक पानी का प्रबंध नहीं हो जाता तब तक आप लोगों को पीने के लिए खालिस दूध मिलता रहेगा। अंत: पानी की कमी लम्बे समय तक चलती रहनी चहिए।''

□ □ □

कंजूस पिता(बेटे से), ''सुरेश तुम कुछ पढ़ रहे हो? बेटा, ''जी नहीं''।

पिता, ''कुछ लिख रहे हो?''

बेटा, ''जी बिल्कुल नहीं''।

पिता (गुस्से से), ''सुरेश एक तो तुम्हारी फिजूलखर्ची की आदत दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जब कुछ नहीं कर रहे तो फिर यह नजर की नई एनक क्यों लगा रखी है, उतारो इसे।''

□ □ □

स...स...सन्नाटेदार

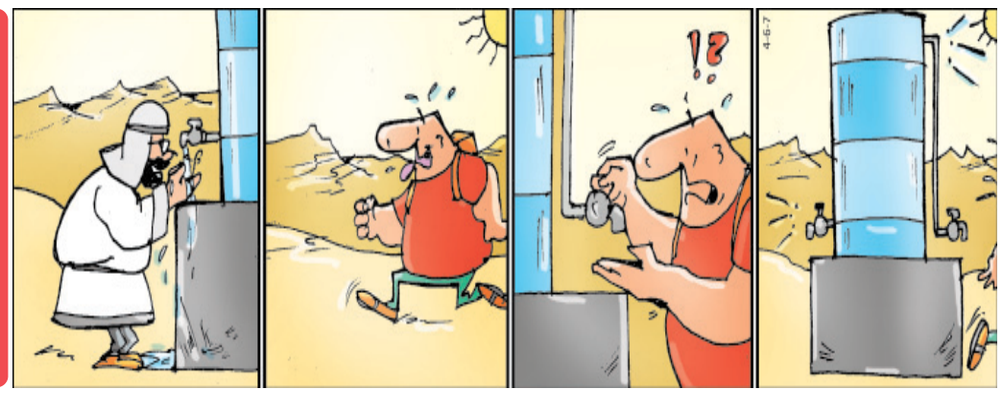

सूडोकु नवताल- 5170

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5169 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

काकुरो पहेली - 5170

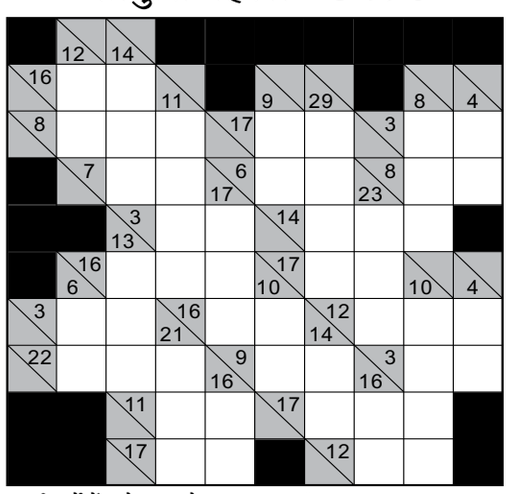

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

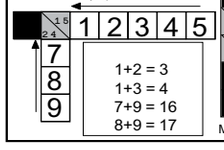

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5169 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

शब्दजाल - 5170

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	टा	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वौ	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

शब्दजाल में अभिषेक बच्चन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

सरकार, बंटी और बबली, ओम जय जगदीश, शरारत, दस, कभी अलवीदा न कहना, रन, हम तुम, कुछ ना कहो, तेरा जादु चल गया.

शब्दजाल - 5169 का हल

मंगल सेनचा, बेंगलोर

फिल्म वर्ग पहेली- 5170

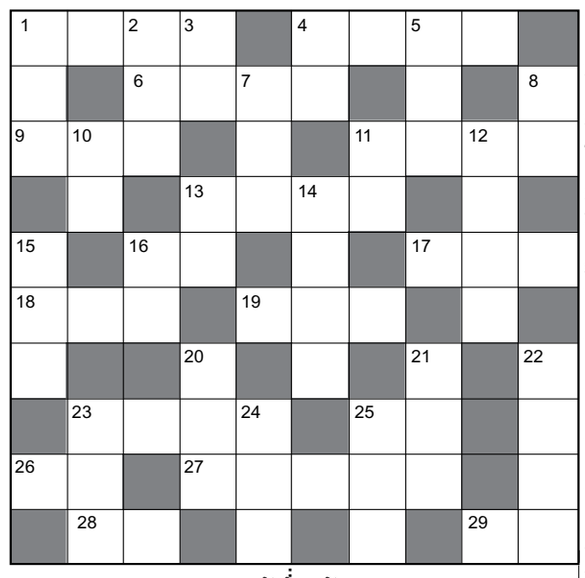

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-4
4. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-4
6. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
11. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-4
13. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-4
16. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
18. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-3
19. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
26. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-2
27. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
28. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-3
2. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-3
3. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-2
4. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
5. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
7. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
8. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
10. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
11. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
12. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-4
13. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-2
14. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-4
15. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-3
16. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-3
21. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
22. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-4
23. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-3
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
25. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 5169 का हल

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

मंगल सेनचा, बेंगलोर

अष्टयोग- 5170

7	6	5		1	3	
	41		32		22	1
4	3	7			2	
	26		34	4	38	6
1	2				6	
	21		36	3	39	7
	1	2			4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5169 का हल

3	5	7	1	6	2	4
7	37	6	37	2	29	3
2	4	3	7	5	6	1
6	31	1	28	4	32	5
4	6	5	2	1	3	7
1	28	4	27	3	33	2
5	1	2	3	7	4	6

शब्द पहेली - 5170

बाएँ से दाएँ

1. एक तिलहन -4
4. शराब बनाने वाला-4
7. नशा, मस्ती-2
8. लंगड़ाते हुए चलना-4
11. अपवित्र, असुद्ध-3
13. जोधपुर हिरण कांड में फसें एक फिल्म अभिनेता-4,2
16. अभिनय, गति, चाल-2
17. दुनिया, जगत-2
20. बुरी दृष्टि का प्रभाव डालना-3,3(मु.)
23. शहर-3
25. गणेश-4
28. वचन, प्रतिज्ञा-2
29. घिसना, घर्षण करना-4
30. शुभाशीर्वाद, वर-4

ऊपर से नीचे

1. दारू-4
2. स्मृति, स्मरण, शक्ति-2
3. आकाश-2
4. मदार-2
5. रचना करना, अर्जित करना, पैदा करना-3
6. पहरा देने वाला-3
9. हाथ से सूत कातने का काष्ठ निर्मित यंत्र-3
10. अद्भूत या चमत्कारिक कार्य-3
12. बुनियाद, नीवं, पावा-2
14. आँख-3
15. दृष्टि, अर्पणा-3
18. पिघलना, सड़ना, नष्ट होना-3
19. सर्प-2
21. भूखंड, धरा-3
22. मकान की मोरी, मलकुण्ड (ऊर्दू में-4)
23. जल मार्ग-3
24. घिसघिसाहट-3
26. अतीत होना, विदा होना-2
27. नया, नवल-2
28. अनुबध, प्रतिज्ञा-2

शब्द पहेली -5169 का हल

मंगल सैंणचा, बेंगलोर